विभिन्न सत्रों के दौरान, नवोदित डिजाइनरों को विभिन्न दृष्टिकोण, डिजाइन प्रक्रिया, फुटवियर बाजार, फुटवियर की शैली, ग्राहकों/ब्रांडों के साथ काम करने का कार्यप्रवाह और अंततः एक पेशेवर बनने के लिए क्या आवश्यक है से अवगत कराया।

निर्णायक रूप से, प्रतियोगिता के तहत, अंतिम वर्ष के डिजाइन के छात्रों को २४ घंटे के भीतर यीजी-लाइफस्टाइल मून रनर २०३० थीम या एडिडास-फ्यूचर ऑफ एडेप्टिव रनिंग २०३० थीम पर आधारित एक स्नीकर डिजाइन करना था।

यीजी- लाइफस्टाइल मून रनर २०३० थीम पर मिस्टर वर्की उथुप द्वारा डिजाइन किया गया स्नीकर कॉन्सेप्ट

इस चुनौती के माध्यम से, छात्रों से इन विषयों को स्वयं समझने, लीक से हटकर सोचने और डिजिटल रूप से निर्मित डिजाइन बनाने की अपेक्षा की गई थी। इस चुनौती का सबसे रोमांचक हिस्सा समय पर पूरा करना था। यह एक प्रतियोगिता थी जिसे छात्रों के परीक्षण के उद्देश्य से तैयार किया गया था कि वे एक निर्दिष्ट समय में अपने डिजाइन कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं।

उनके सबमिशन की समीक्षा उद्योग के आकाओं, उमर बेली - सैंपल रूम के निदेशक, एडिडास, यूएसए, टिबी लोवु-सीनियर मैनेजर, मेकर लैब, एडिडास, यूएसए, क्रिश्चियन डी गुजमैन - मैटेरियल डेवलपर, एडिडास, यूएसए और अकादमिक संरक्षक, श्रीमती रश्मि तोमर, सीनियर फेकल्टी, एफएसएफडीपी नोएडा द्वारा की गयी थी।

श्री वर्की उत्थुप २०१९-२०२२ बैच के छात्र 'स्नीकर डिजाइन २०२१ २४ घंटे' का चैलेंज' विजेता रहा। जिन्होंने यीजी लाइफस्टाइल मून रनर २०३० थीम पर आधारित एक स्नीकर डिजाइन किया था।

छात्रों को स्नीकर की संस्कृति, विकास की दुनिया से परिचित कराने में ई-कार्यशाला सफल रही और कैसे स्नीकर डिजाइनर अपने उन्नत ज्ञान का उपयोग करते हैं जैसे सामग्री, फैशन के रुझान और शैलियों को विकसित करने, बनाने और डिजाइन करने के लिए स्नीकर्स विभिन्न उत्पाद लाइनें आदि।

एफडीडीआई, पटना परिसर में 'कॉस्ट्यूम डिजाइन–क्रिएटिव इंडस्ट्री' और फैशन शो 'राज्यों की पालकी' पर कार्यशाला आयोजित

कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग के बारे में छात्रों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से २० से २२ नवंबर २०२१ तक एफडीडीआई, पटना परिसर में 'कॉस्ट्यूम डिजाइन-क्रिएटिव इंडस्ट्री' पर ३ दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला चल रही है

फैशन शो 'राज्यों की पालकी' का एक दृश्य

कार्यशाला का आयोजन स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एसएफडी) द्वारा किया गया था ताकि परिधान अवधारणा डिजाइन बनाने की प्रक्रिया के बारे में गहन ज्ञान प्रदान किया जा सके, जिसमें थंब-नेलिंग से लेकर अंतिम प्रस्तुति और उद्योग की डिजाइन आवश्यकताओं की व्यावहारिक समझ शामिल है।

जागरूकता कार्यक्रम का एक दृश्य

'आजादी का अमृत महोत्सव' की थीम पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का एक दृश्य

२२ नवंबर २०२१ को, इन छात्रों ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया और उसके बाद थीम पर 'राजयों की पालकी' टाइल के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम और फैशन शो में भारत के विभिन्न राज्यों के परिधानों को पहनकर छात्रों ने रैंप पर वॉक किया और अपनी प्रतिभा दिखाई।

उसी दिन, एफडीडीआई द्वारा संचालित विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों और उपलब्ध कैरियर के अवसरों के बारे में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसमें पास के कोचिंग संस्थान और शिक्षकों के १५० से अधिक छात्रों ने भाग लिया। जागरूकता कार्यक्रम के बाद आजादी का अमृत महोत्सव की थीम पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता हुई।

एफडीडीआई, फुरसतगंज के छात्रों का 'हुनर हाट – स्वदेशी हस्तशिल्प उत्पादों की प्रदर्शनी' में शैक्षिक भ्रमण

शैक्षणिक भ्रमण के तहत १८ नवंबर २०२१ को एफडीडीआई फुरसतगंज परिसर के छात्र-छात्राओं ने लखनऊ, उत्तर प्रदेश में आयोजित 'हुनर हाट – स्वदेशी हस्तशिल्प उत्पादों की प्रदर्शनी' का अवलोकन किया।

एफडीडीआई, स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एसएफडी) के फैकल्टी के पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में, बैच बी. डेस एफडी २०१९, बी.डेस एफडी २०२० (फैशन डिजाइन) बैच और बी. डेस एफडी २०२१ (फाउंडेशन बैच) ने इस कार्यक्रम का दौरा किया, जहां १०० से अधिक कारीगरों/डिजाइनरों ने अपने हस्तनिर्मित उत्पादों का प्रदर्शन किया।

'हुनर हाट- अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय की नेक पहल ने लाखों कुशल कारीगरों, शिल्पकारों और पाक विशेषज्ञों को रोजगार के अवसर प्रदान किए हैं और 'वोकल फॉर लोकल' को एक जन आंदोलन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

प्रस्तुत किए गए भारतीय कला और शिल्प में फुलकारी, बांस और बेंत हस्तशिल्प, पीतल हस्तशिल्प, संगमरमर पत्थर शिल्प, पट्टचित्र की कला, मधुबनी की कला, गोंड की कला, वारली की कला, चमड़ा, शैल, टेराकोटा वर्क्स, पश्मीना शॉल, कलमकारी कला, मधुबनी पेंटिंग, सिक्की घास शिल्प, ढोकरा शिल्प, खावड़ा मिट्टी के बर्तन, लकड़ी पर नक्काशी, चंदेरी शिल्प आदि शामिल थे।

डिजाइन वैकल्पिक छात्र भारत के विभिन्न क्षेत्रों की मूर्तियों, चित्रों, नक्काशी, वस्त्र, चमड़ा, चीनी मिट्टी की चीजें, धातु की कलाकृतियों, कालीनों, घड़ियों और फर्नीचर की उत्कृष्ट कृतियों से प्रेरित थे, जो उनके डिजाइन कौशल विकास के लिए फायदेमंद हैं।

यह दौरा छात्रों के लिए एक समृद्ध अनुभव था, क्योंकि इसने 'भौतिक अन्वेषण', 'पर्यावरण अध्ययन' और 'कला और डिजाइन का इतिहास' पर उनके ज्ञान को बढ़ाया और उन्हें हस्तनिर्मित उत्पादों की पेचीदगियों को जानने में भी मदद की।

फुटवियर बनाने वाली इकाइयों में एफडीडीआई, हैदराबाद के छात्रों के लिए औद्योगिक एक्सपोजर

१३ नवंबर २०२१ को एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के डिजाइन और उत्पादन वैकल्पिक विशेषज्ञता के छात्रो को फुटवियर बनाने वाली इकाइयों में औद्योगिक एक्सपोजर प्रदान किया गया।

पैरागॉन पॉलिमर प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड में अपने संकाय सदस्यों के साथ छात्र

स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रॉडक्शन के फैकल्टी के पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में छात्रों ने पूर्वाहन में पैरागॉन पॉलिमर का दौरा किया और अपराहन मे कावुरी हिल्स में स्थित ओब्लम शूज स्टुडियो, हैदराबाद का दौरा किया।

छात्रों ने गैर-चमड़े (ऊपरी और असेंबली) बनाने वाले बड़े क्षेत्र को कवर करते हुए १६ एकड़ में फैले पैरागॉन बी फुटवियर यूनिट का दौरा किया। उन्हें पीयू और ईवीए तलवों और डीआईपी (डायरेक्ट इंजेक्शन प्रोसेस) के उत्पादन और बहुटमिंग तकनीकों का एक्सपोजर मिला। यात्रा के दौरान, श्री श्रीजीत नायर, महाप्रबंधक, हैदराबाद डिवीजन और उनकी टीम ने उन्हें कंपनी द्वारा चंदन बनाने और सुरक्षा जूते के लिए उपयोग किए जाने वाले संचालन के अनुक्रम के बारे में जानकारी दी।

ओब्लम शूज स्टूडियो में अपने संकाय सदस्यों के साथ प्रदर्शन देख रहे छात्र

बाद में, छात्रों ने इसकी इकाई सी का भी दौरा किया, जहां छात्रों को बहुलक आधारित कच्चे माल से तलवों को कैसे बनाया जाता है, इसका व्यावहारिक प्रदर्शन दिया गया।

दूसरे हाफ में उन्होंने हाथ से बने फुटवियर ब्रांड-ओब्लम शूज स्टूडियो का जो कावुरी हिल्स, हैदराबाद में स्थित है, जहां उन्होंने शुमेकर श्री तरुण ओब्लम से मुलाकात की, जो हाथ के औजारों का उपयोग करके चमड़े के जूते बनाते हैं।

सावधानी से तैयार की गई और उच्चतम स्तर की भव्यता का दावा करते हुए, इसके डिजाइनों में विभिन्न चमकदार पेटिना और विभिन्न त्वचा टोन में पेनी लोफर्स, ब्रोग्स और लेस-अप शामिल हैं। छात्रों को हाथ से बने जूते (गुड ईयर वेल्डेड) निर्माण और काम करने के तरीकों में शामिल चरणों का विश्लेषण करने का भी अवसर मिला।

इस औद्योगिक प्रदर्शनी का उद्देश्य छात्रों को गैर-चमड़े के जूते के उत्पादन और हस्तनिर्मित जूते बनाने में विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों को समझने के लिए एक एक्सपोजर प्रदान करना था।

कानपुर लेदर क्लस्टर में एफडीडीआई, फुर्सतगंज के छात्रों के लिए औद्योगिक एक्सपोजर

१२ नवंबर २०२१ को, एफडीडीआई, फुर्सतगंज परिसर के B-Des- FDP २०१६ बैच के ४५ से अधिक छात्र, ने दो प्रमुख चमड़ा और जूते-विनिर्माण इकाइयों का दौरा किया। यह कानपुर लेदर क्लस्टर में स्थित है।

स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एसएफडीपी) के संकाय के पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में, छात्रों ने पहले हाफ में मैसर्स किंग्स इंटरनेशनल (टेनरी एंड सैडलरी यूनिट), जो पिछले २५ वर्षों से एक निर्माता और सैडलर और हार्नेस का निर्यातक है का दौरा किया। और दूसरे हाफ में पिछले २७ वर्षों से फुटवियर प्रोडक्शन हाउस सूरी शूज का दौरा किया।

मेसर्स किंग्स इंटरनेशनल के श्री आमिर ने छात्रों को प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी कि कैसे कच्चे जानवरों की खाल को अंतिम उपयोग योग्य छिपाने में परिवर्तित करने के लिए कई प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। उन्होंने चमड़े के प्रसंस्करण के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण मापदंडों के बारे में भी बताया कच्ची त्वचा के संरक्षण से लेकर अंतिम निर्यात तक, शामिल प्रौद्योगिकियां, विभिन्न रसायनों का उपयोग और उनकी सांद्रता, जो चमड़े के निर्माण की प्रक्रिया में शामिल है।

सूरी शूज में, छात्रों को विभिन्न प्रकार के फुटवियर निर्माण में शामिल मशीनों के रखरखाव, अंतिम उत्पादों की फिनिशिंग, अंतिम पैकेजिंग के बारे में जानकारी दी गई और श्री एन.के. श्रीवास्तव (वरिष्ठ उत्पादन प्रबंधक) द्वारा माल का प्रेषण, फुटवियर कन्वेयर सिस्टम, देसमा पियरिंग मशीन, प्री-फैब अहपरेशन आदि के बारे में भी बताया।

औद्योगिक प्रदर्शन ने छात्रों को काटने, आकार देने, सिलाई, छँटाई, पॉलिशिंग, परीक्षण से लेकर गुणवत्ता नियंत्रण आदि के संचालन के क्रम को समझने और उद्योग के आवश्यक पेशेवर कौशल-सेट हासिल करने में मदद की।

एफडीडीआई, चेन्नई में अंतर्दृष्टिपूर्ण वेबिनार 'लर्न टू लीन' आयोजित

२८ अक्टूबर २०२१ को एफडीडीआई, चेन्नई परिसर में एक व्यावहारिक वेबिनार 'लर्न टू लीन' आयोजित किया गया था।

श्री जो. श्रीनिवासन, प्रमाणित लीन प्रोफेशनल, कंसल्टेंट और ट्रेनर, जिन्होंने उद्योग और अकादमिक में अनुभव रखने वाली २७५ कंपनियों में प्रशिक्षण दिया है, वे स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एसएफडीपी) द्वारा आयोजित वेबिनार के मुख्य वक्ता थे।

प्रस्तुति के दौरान श्री जो. श्रीनिवासन ने लीन प्रबंधन की अवधारणाओं और सिद्धांतों के बारे में जानकारी दी जो निरंतर सुधार और अपशिष्ट में कमी के लिए आवश्यक हैं।

उन्होंने "सॉर्ट", "सेट इन ऑर्डर", "शाइन", "स्टैंडर्डाइज", और "सस्टेन" नामक 5S क्वालिटी टूल के बारे में विस्तार से बताया, जो "S" अक्षर से शुरू होने वाले पांच जापानी शब्दों से लिया गया है, जिसका उपयोग कार्यस्थल को अनुकूल बनाने और दृश्य नियंत्रण और दुबला उत्पादन के लिए किया जाता है।

सूचनात्मक कार्यक्रम में विभिन्न परिसरों के छात्रों, स्टाफ सदस्यों, संकायों और फुटवियर औद्योगिक व्यक्तियों सहित ५० से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

बालमुरुगन लेदर और जनरल इंडस्ट्री लेदर (जीआईएल) में एफडीडीआई, चेन्नई के छात्रों के लिए औद्योगिक एक्सपोजर

एफडीडीआई, चेन्नई के संकाय के पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफएसएफडीपी) के छात्रों ने बालमुरुगन लेदर्स का दौरा किया।

२५ अक्टूबर २०२१ को इस औद्योगिक प्रदर्शन का उद्देश्य छात्रों को ट्रेनिंग प्रक्रिया की एक ठोस नींव और समझ प्रदान करना था।

छात्रों को नमक के साथ चमड़े के इलाज की प्रक्रिया, प्री-टेनिंग ऑपरेशन भिगोना, चूना, डी-लिमिंग, अचार बनाना, बफ और बकरी के चमड़े की क्रोम टैनिंग, पोस्ट टेनिंग ऑपरेशन, विभिन्न गुणवत्ता जांच बिंदु, के बारे में जानकारी दी गई। चमड़े की बंडलिंग और पैकेजिंग, खतरनाक कमाना अवशेषों के लिए जल उपचार संयंत्र और अंतिम संयोजन प्रक्रियाओं के लिए जूते के डिजाइन में प्रयुक्त प्रौद्योगिकी की सूचना मिली।

एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बानूर) कैंपस ने बैकस्टेज पार्टनर के रूप में 'कॉउचर रनवे वीक–सीजन 4' में भाग लिया।

एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बानूर) परिसर ने 'कॉउचर रनवे वीक (सीआरडब्ल्यू) -सीजन ४' में बैकस्टेज पार्टनर के रूप में भाग लिया, जो १६ और १७ अक्टूबर २०२१ को द क्राउन प्लाजा होटल, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था।

ग्लोबल फैशन फेडरेशन (GFF) कॉउचर रनवे वीक के दौरान ४५ से अधिक डिजाइनरों ने अपने संग्रह का प्रदर्शन किया, जिसने इसके शीतकालीन उत्सव संस्करण २०२१ का समापन किया।

सीआरडब्लू४ में रैंप वॉक करते एफडीडीआई के छात्र

एफडीडीआई, फैशन डिजाइन स्कूल के छात्र (एसएफडी) ने आयोजन में सहायता की और शो से पहले फिटिंग सत्र, स्टाइलिंग, मॉडल फैशन उद्योग के अपने पेशेवर ज्ञान को विकसित और विस्तारित करने का अवसर दिया। शो के हर सीक्वेंस के लिए लाइन अप, सीआरडब्ल्यू का सोशल मीडिया, कॉस्ट्यूम और एक्सेसरीज के द्वारा किया गया।

फाइनल ईयर बी. डिजाइन की छात्रा सुश्री श्रेया भटनागर और सुश्री अंशिका कंडारी सीआरडब्ल्यू४ में मॉडल के रूप में रनवे पर भी रैंप वॉक किया।

छात्रों के लिए, इस कार्यक्रम ने फैशन उद्योग के अपने पेशेवर ज्ञान को विकसित और विस्तारित करने का अवसर प्रदान किया।

एफडीडीआई, हैदराबाद के छात्रों द्वारा 'सालार जंग संग्रहालय' का दौरा।

शैक्षिक यात्रा के तहत बी. देस. एफडीपी (२०१८-२२) - एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के डिजाइन के ऐच्छिक विशेषज्ञता के छात्रों ने 'सालार जंग' संग्रहालय का दौरा १४ अक्टूबर २०२१ को किया।

सालार जंग संग्रहालय' एक कला संग्रहालय है, जो भारत के तीन राष्ट्रीय संग्रहालयों में से एक है। मूल रूप से सालार जंग परिवार का एक निजी कला संग्रह, इसे सालार जंग III की मृत्यु के बाद राष्ट्र को दान कर दिया गया था। यह दुनिया में सबसे बड़े संग्रहालयों में से एक है।

स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एसएफडीपी) के छात्रों ने अपने डिजाइन फैकल्टी के साथ संग्रहालय में दो मंजिलों में फैली ३८ दीर्घाओं को देखा जो संग्रह के विशाल क्षेत्र को कवर करती हैं।

इस यात्रा का उद्देश्य छात्रों के लिए उनके अंतिम पोर्टफोलियो रचनात्मक बोर्ड विकसित करने की प्रक्रिया में उनके अगले रचनात्मक संग्रह के लिए प्रेरणा की तलाश में एक विचार-मंथन प्रदर्शन प्रदान करना था।

डिजाइन ऐच्छिक छात्र मूर्तियों, चित्रों, नक्काशी, वस्त्र, पांडुलिपियों, चीनी मिट्टी की चीजें, धातु की कलाकृतियों, कालीनों के उत्कृष्ट टुकड़ों से प्रेरित थे।

जापान, चीन, बर्मा, नेपाल, भारत, फारस, मिस्र, यूरोप और उत्तरी अमेरिका की घड़ियाँ और फर्नीचर और विभिन्न दीर्घाओं से दुनिया की सबसे दुर्लभ और छोटी वस्तुओं और उत्कृष्ट कृतियों के संपर्क में थे।

जम्मू के देवली गांव में एफडीडीआई द्वारा स्थापित 'चमड़े के सामान बनाने पर प्रशिक्षण कार्यशाला' ने अपने उद्देश्य को प्राप्त किया।

जम्मू जिले के देवली गांव में एफडीडीआई द्वारा स्थापित चमड़े के सामान बनाने के प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला के सफल समापन के साथ, ५० महिला प्रशिक्षुओं ने वांछित उद्देश्य प्राप्त किया है।

प्रतिभागियों द्वारा विकसित दैनिक उत्पाद (उत्पादों) चमड़े, कपड़ा और कढ़ाई को शामिल करते हुए

प्रशिक्षुओं ने १० सितंबर २०२१ से ११ अक्टूबर २०२१ तक आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया।

प्रशिक्षु अपने प्रमाण पत्र के साथ

उन्होंने संचालन के क्रम का ज्ञान प्राप्त किया और तकनीकी रूप से सुसज्जित और लेडीज बेल्ट, फाइल फोल्डर, फोटो फ्रेम, टेबल मैट, टेबल लैंप स्टैंड, जूती जैसे कपड़ा उत्पादों के साथ-साथ झोला बैग, शॉपिंग बैग, जैसे दिन-प्रतिदिन के उत्पाद बनाने में सक्षम हैं। कढ़ाई को शामिल करते हुए ट्वीड फैब्रिक का उपयोग करते हुए लैपटॉप बैग, जो जम्मू और कश्मीर की विरासत को प्रदर्शित करता है।

प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन पर, देवली, जम्मू के सरपंच श्री योगिंदर सिंह, पूर्व सरपंच, देवली, जम्मू, श्री मुलख राज, पंच, वार्ड नं. अमीर सिंह और पूर्व पंच, श्री दर्शन लाल आदि शामिल थे।

सेवा में,
प्रबन्धक निदेशक,
फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इन्सटीट्यूट
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार

महोदय,

आपके संस्थान फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इन्सटीट्यूट, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जम्मू एण्ड कश्मीर के **देओली गाँव** तहसील बिश्नाह में लैदर गुड्स मेकिंग का 1 माह का ट्रेनिंग कार्यक्रम किया गया यह काफी सफल रहा, प्रशिक्षण केन्द्र में **देओली गाँव** के लोगों ने जो प्रशिक्षण लिया वो लैदर तथा कपड़े के ऊपर हाथों से कढ़ाई कर विभिन्न प्रकार के **वाल हैंगिंग** हैट, बैग, मोबाइल केस, बैल्ट, टेबल लैम्प तथा अन्य कई नये सामान बनाने का प्रशिक्षण लिया, जिसे प्रशिक्षुओं द्वारा बड़ी रुचि के साथ सीखा गया। अतः मैं चाहूँगा कि आगे भी यह प्रशिक्षण केन्द्र चलता रहे, जिसकी इस क्षेत्र में जरूरत है।

मैं इस कार्यक्रम को संचालित करने के लिए एफ. डी. डी. आई. तथा समस्त स्टाफ का धन्यवाद करना चाहूँगा।

धन्यवाद

AMIR SINGH
PANCH Ward No 1
Panchayat Halqa Deoli

अमीर सिंह
वार्ड संख्या-1, पंच, देओली जम्मू

पंचायत वार्ड नंबर १, पंचायत हलका देवली से प्राप्त प्रशंसा पत्र

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इन्सटीट्यूट, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार (एफ.डी.डी.आई.) द्वारा जम्मू एण्ड कश्मीर के **देओली** में, लैदर गुड्स मेकिंग का 1 महीने का प्रशिक्षण केन्द्र संचालित किया गया जिस दौरान इस क्षेत्र के लोगों ने लैदर गुड्स मेकिंग का प्रशिक्षण लिया, एफ.डी.डी.आई. का यह निःशुल्क कौशल विकास कार्यक्रम काफी फायदेमंद साबित रहा।

साथ ही मैं एफ.डी.डी.आई. को इस प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाने के लिए धन्यवाद देना चाहूँगा तथा यह आशा करता हूँ कि भविष्य में भी एफ.डी.डी.आई. के इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम इस क्षेत्र में चलते रहें जिससे युवाओं का कौशल विकास हो सके ।

मुलख राज
एक्स- सरपंच-देओली जम्मू
Ex-Sarpanch Deoli

पूर्व सरपंच-देवली, जम्मू से प्राप्त प्रशंसा पत्र

जूरी के सदस्यों ने सभी प्रशिक्षुओं से मुलाकात की और उनके द्वारा बनाए गए प्रदर्शित उत्पादों का निरीक्षण किया। उन्होंने सभी प्रशिक्षुओं को उनके द्वारा बनाए गए उत्पादों के लिए सराहना/प्रशंसा की।

प्रशिक्षुओं को उनके प्रमाण पत्र के साथ सभी जूरी सदस्यों ने चमड़े के सामान बनाने पर प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित करने के लिए एफडीडीआई को धन्यवाद दिया और एफडीडीआई से जम्मू और कश्मीर में और अधिक प्रशिक्षण कार्यशालाएं शुरू करने का अनुरोध किया।

प्रशिक्षु चमड़े और जूते उद्योग की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम हैं और माननीय प्रधान मंत्री जी के 'मेक इन इंडिया वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्यों को पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

एफडीडीआई कर्मचारियों ने सार्वजनिक खरीद पर ऑनलाइन एमडीपी लिया।

एफडीडीआई के विभिन्न परिसरों के नौ स्टाफ सदस्यों ने सार्वजनिक खरीद (बेसिक) पर ऑनलाइन प्रबंधन विकास कार्यक्रम (MDP) किया, जिसका आयोजन अरुण जेटली राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान (AJNIFM), फरीदाबाद द्वारा ०४" से ०८ अक्टूबर २०२१ तक किया गया था।

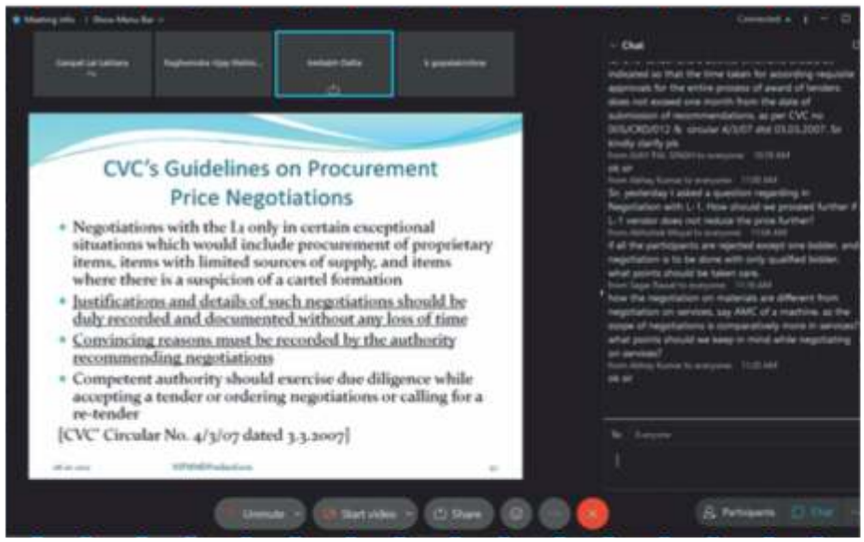

इस एमडीपी कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्तियों में श्री अमिताभ दत्ता (प्रैक्टिस के प्रोफेसर, एजेएनआईएफएम), श्री मनेंद्र पाल सिंह (अतिथि संकाय, जीईएम), श्री हरीश कुमार शर्मा (अतिथि संकाय), सुश्री उषा सक्सेना (अतिथि) संकाय, एनआईसी), सुश्री सागरबाला मोहंती (अतिथि संकाय, एनआईसी), श्री चंद्र शेखर मित्तल (अतिथि संकाय), श्री शिवेंद्र कुमार (अतिथि संकाय) और श्री मयंक त्यागी (अतिथि संकाय) थे।

प्रस्तुति के दौरान उन्होंने माल की खरीद पर सामान्य वित्तीय नियमों के विश्लेषण के बारे में जानकारी दी GeM के माध्यम से खरीद, ई-खरीद, अनुबंध प्रबंधन, कार्यों और केस स्टडी की खरीद, परामर्श की खरीद, सेवाएं और केस स्टडीजय आउटसोर्स सेवाओं की खरीद आदि की जानकारी दी गयी।

ऑनलाइन एमडीपी ने सार्वजनिक खरीद के प्रासंगिक नियमों और प्रक्रियाओं को प्रतिभागियों के लिए एक समग्र सीखने के अनुभव में मिश्रित किया, जिससे उन्हें लगन से प्रबंधित करने की उनकी क्षमता को आगे बढ़ाया गया।

एफडीडीआई परिसरों में 'स्वच्छता दिवस' आयोजित

भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने स्वच्छ भारत बनाने के उदेश्य से २ अक्टूबर २०१४ को महत्वाकांक्षी स्वच्छ भारत कार्यक्रम की शुरुआत की थी, जिसे 'स्वच्छ भारत अभियान' के नाम से जाना जाता है।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में स्वच्छता अभियान का एक दृश्य

एफडीडीआई, रोहतक परिसर में स्वच्छता अभियान का एक दृश्य

एफडीडीआई, बानूर परिसर में सफाई अभियान

हमारे व्यवहार और मानसिकता में बदलाव क्योंकि यह गतिविधि एक बार नहीं बल्कि एक निरंतर अभ्यास है।

इसके मार्गदर्शक दर्शन के रूप में, २ अक्टूबर २०२१ को एफडीडीआई के सभी परिसरों में 'स्वच्छता दिवस' आयोजित किया गया।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'स्वच्छता शपथ' का एक दृश्य

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर में 'स्वच्छता शपथ'

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर में 'स्वच्छता शपथ'

स्वच्छ पर्यावरण के महत्व को समझने के लिए कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने और शून्य प्लास्टिक के उपयोग की प्रथा को विकसित करने के लिए, "स्वच्छ भारत सुरक्षित भारत- प्लास्टिक कचरे से मुक्ति" विषय पर एक स्वच्छता अभियान ०१ अक्टूबर २०२१ को सभी परिसरों में आयोजित किया गया था।

एफडीडीआई के सभी परिसरों के कर्मचारियों ने स्वच्छता अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

एफडीडीआई, फुरसतगंज परिसर में 'स्वच्छता शपथ' का एक दृश्य

एफडीडीआई, चेन्नई परिसर में स्वच्छता शपथ'

एफडीडीआई, जोधपुर परिसर में 'स्वच्छता शपथ'

२ अक्टूबर २०२१ को एफडीडीआई के कर्मचारियों ने 'स्वच्छता शपथ' ली कि वे अपने मोहल्ले की सफाई करेंगे और लोगों को स्वच्छता अभियान के प्रति जागरूक करेंगे।

सभी कर्मचारी इस अच्छे कार्य में योगदान करने के लिए बहुत उत्साहित और खुश थे, जो बहुत ही उत्तेजक और अंतर्दृष्टिपूर्ण था क्योंकि इसने समाज, देश और ग्रह की बेहतरी के लिए महत्वपूर्ण स्वच्छ वातावरण के महत्व को बहाल किया।

एफडीडीआई परिसरों में आयोजित हुआ 'हिंदी पखवाड़ा'

एफडीडीआई के सभी परिसरों में १४-२८ सितंबर २०२१ तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया।

भारत सरकार की नीति के अनुरूप संकाय, कर्मचारियों और छात्रों के बीच राजभाषा - हिंदी के उपयोग में ज्ञान और कौशल को बढ़ावा देने के लिए, एफडीडीआई के संबंधित परिसरों में 'हिंदी पखवाड़ा' के दौरान तीन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में संकाय, कर्मचारियों और छात्रों के वक्तृत्व, तार्किक कौशल और साहित्यिक कौशल को देखा गया।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में हिंदी श्रुतलेख प्रतियोगिता प्रगति पर है

एफडीडीआई, अंकलेश्वर परिसर में चल रही प्रतियोगिता

इसके अलावा विभाग द्वारा राजभाषा प्रोत्साहन योजना के तहत पिछले वर्ष के दौरान विभाग द्वारा हिंदी में किए गए कार्यों के अधिकतम प्रतिशत के लिए शिक्षण के साथ-साथ गैर-शिक्षण विभागों को नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिए गए।

क्रमांक	दिनांक	प्रतियोगिता का नाम	के लिए आयोजित
1.	14-09-2021	प्रश्नोत्तरी (Quiz)	अधिकारी और कर्मचारी
2.	17-09-2021	श्रुतलेख (Dictation)	
3.	20-09-2021	निबंध लेखन (Essay Writing)	छात्र

सभी प्रतियोगिताओं के दौरान, बड़ी संख्या में शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के साथ-साथ छात्रों (ऑनलाइन के माध्यम से) ने प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

एफडीडीआई, पटना परिसर में चल रही प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में चल रही प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

एफडीडीआई, हैदराबाद को वर्ष २०२०-२१ के लिए हिंदी में अच्छे कार्य करने के लिए श्री के.पी. शर्मा, सहायक निदेशक राजभाषा, नराकास द्वारा दिनांक ३०.०६.२०२१ को प्रोत्साहन पुरस्कार मिला, जिसकी अगवानी हिंदी अधिकारी श्री गौरव कुमार तिवारी ने की।

श्री गौरव कुमार तिवारी, श्री के.पी. शर्मा, सहायक निदेशक राजभाषा नराकस द्वारा प्रोत्साहन पुरस्कार लेते हुए

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर को दिया गया प्रमाण पत्र

२८ सितंबर २०२० को 'हिंदी पखवाड़ा' के समापन समारोह के दौरान, श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस, प्रबंध निदेशक (एमडी), एफडीडीआई, ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्य भाषण दिया और हिंदी भाषा के महत्व और स्थिति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने दैनिक कार्यों में हिन्दी का प्रयोग करने का भी आग्रह किया।

एमडी, एफडीडीआई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'मुख्य भाषण' दे रहे हैं

एफडीडीआई, चेन्नई परिसर में पुरस्कार वितरण समारोह का एक दृश्य

नोएडा परिसर में पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान, विजेताओं को नकद पुरस्कार के साथ-साथ प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया, जिसके दौरान मुख्य अतिथि, श्री कल्याण सिंह वर्मा, उप प्रबंधक (राजभाषा), नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड, नोएडा जो सदस्य सचिव भी हैं, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, नोएडा ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कर्मचारियों को संबोधित किया।

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में 'खेल और बुना हुआ जूते के लिए डिजिटल डिजाइन अनुप्रयोगों' पर मास्टर क्लास का आयोजन

२५ सितंबर, २०२१ को एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में ऑनलाइन मोड के माध्यम से खेल और बुना हुआ जूता के लिए डिजिटल डिजाइन अनुप्रयोगो पर एक मास्टर, क्लास आयोजित की गयी।

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एसएफडीपी) द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षा के माध्यम से 2D CAD, 3D CAD, एथलेटिक्स और बुना हुआ फुटवियर डिजिटल डिजाइन अनुप्रयोगो का गहन ज्ञान मिला।

श्री आर. श्रीराम कुमारन प्रमुख वक्ता थे जिन्होंने डिजिटल डिजाइन अनुप्रयोगों के विशेषज्ञ के रूप में १० से अधिक वर्षों तक काम किया है। वह वर्तमान में वाकार, इंटरनेशनल प्रा. लिमिटेड, केरल में वरिष्ठ उत्पाद डिजाइनर और प्रमुख के रूप में काम कर रहे है।

एक प्रस्तुति के माध्यम से, श्रीराम ने ग्राफिक्स डिजाइन सूट, एथलेटिक्स और प्रदर्शन जूते के महत्व से संबंधित अंतर्दृष्टि और व्यावहारिक सलाह प्रदान की, बुना हुआ जूते की उन्नति, भविष्य में बुना हुआ आधारित जूते में उपयोग किया जाने वाला सॉफ्टवेयर, उन्होंने अन्य गैर-रेखीय सामग्री के साथ बुना हुआ जूते पर भी चर्चा की।

उन्होंने विभिन्न सॉफ्टवेयर द्वारा किए गए कार्यों के बारे में बताया जो आमतौर पर खेल के जूते के डिजाइन में डिजाइनरों द्वारा उपयोग किए जाते हैं। उन्होंने भारत में स्पोर्ट्स शूज के उत्पादन के दौरान इस्तेमाल की जाने वाली तकनीकों और बुनाई के तरीकों के बारे में संक्षेप में बात की और भारतीय फुटवियर उद्योग में २डी सीएडी, ३डी सीएडी और बुना हुआ फुटवियर के भविष्य के कैरियर के अवसरों के बारे में भी बात की।

मुख्य वक्ता - श्री आर श्रीराम कुमारन

प्रस्तुति का एक दृश्य और मास्टर क्लास में भाग लेने वाले प्रतिभागी

मास्टर क्लास में एफडीडीआई के १२ परिसरों और अन्य संस्थानों के छात्रों, संकाय सदस्यों, स्टाफ सदस्यों सहित १८० से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

एफडीडीआई की छात्रा और उसकी टीम द प्रॉस्पेक्ट 100 x केरिंग फ्रांस – ग्लोबल डिजाइन कॉम्पिटिशन 2021' के विजेता बनी

सुश्री समीक्षा अंबोलीकर, एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर की एक छात्रा ने अपनी टीम के साथ भाग लिया और प्रॉस्पेक्ट १०० एक्स केरिंग फ्रांस-ग्लोबल डिजाइन प्रतियोगिता २०२१ जीती। प्रतियोगिता का शुभारंभ और आयोजन प्रॉस्पेक्ट १०० द्वारा वैश्विक लक्जरी समूह, केरिंग- के साथ साझेदारी में किया गया था।

वैश्विक डिजाइन प्रतियोगिता जमा करने की तारीख ३० अगस्त २०२१ से २४ सितंबर २०२१ तक थी।

जिस टीम ने भाग लिया और प्रॉस्पेक्ट१०० एक्स केरिंग फ्रांस-ग्लोबल डिजाइन प्रतियोगिता २०२१ जीती

डिजाइन ऐच्छिक छात्र सुश्री समीक्षा अंबोलीकर की उत्पाद अवधारणा, एफडीडीआई से बी.डेस (एफडीपी १८') जिसने प्रथम पुरस्कार जीता

केरिंग फैशन, चमड़े के सामान, आभूषण और घड़ियाँ जैसे गुच्ची, सेंट लॉरेंट, बोट्टेगा वेनेटा, बालेंसीगा, अलेक्जेंडर मैक्वीन, ब्रियोनी, वाउचरन, पोमेलैटो, डोडो, कीलिन, यूलीसे नार्डिन, गिरार्ड-पेरेगाक्स में प्रसिद्ध घरों की एक श्रृंखला के विकास का प्रबंधन करता है।

डिजिटल संचार का लाभ उठाते हुए, सुश्री समीक्षा ने रचनात्मक अभिव्यक्तियों का 3डी रेंडर मॉडल, यानी रनिंग फुटवियर डिजाइन- 'आरएजी ४ रन' प्रस्तुत किया। उनकी थीम RAG4 RUN' का मतलब है बेकार सामग्री से जूते चलाना।

प्रतियोगिता "मेक यू वॉर्डरोब अधिक टिकाऊ" की पूर्ति के बारे में थी जिसमें प्रतिभागियों को अपने कोठरी से कपड़ों के एक आइटम को और अधिक टिकाऊ बनाने के लिए फिर से डिजाइन करने की आवश्यकता थी। एक विजेता के रूप में उसे और उसकी टीम को एक्सक्लूसिव की मुफ्त एक्सेस प्राप्त होगी।

मास्टरक्लास, 'आकृति फैशन का भविष्य' कार्यक्रम संस्थान FRANCAIS de . के नेतृत्व मेंला मोड और केरिंग फ्रांस द्वारा सह-अवधारणा, परामर्श और $४००० का नकद पुरस्कार मिला।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में गारमेंट उद्योग में टेक-पैक की भूमिका पर वेबिनार आयोजित किया गया।

गारमेंट उद्योग में टेक-पैक की भूमिका विषय पर एक वेबिनार २१ सितंबर, २०२१ को एफडीडीआई, नोएडा परिसर में आयोजित किया गया था।

वेबिनार टेक-पैक के महत्व पर प्रकाश डालता है जो एक तकनीकी डिजाइनर द्वारा बनाया गया एक खाका है जो कार्य करता है एक निर्देश पुस्तिका के रूप में जो मदद करता है।

सुश्री स्वाति गुप्ता- वेबिनार के लिए संसाधन व्यक्ति

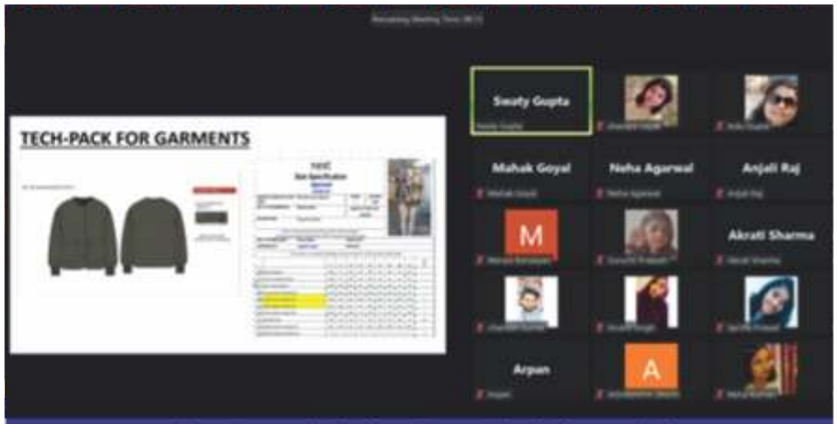

सुश्री स्वाति गुप्ता ने 'टेक-पैक' के महत्व के बारे में जानकारी दी

वेबिनार का आयोजन एफडीडीआई स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एसपीडी) द्वारा किया गया था, जिसके दौरान स्वीडिश ब्रांड 'रुस्टा' की सोर्सिंग डेवलपर सुश्री स्वाति गुप्ता मुख्य वक्ता थीं।

सुश्री स्वाति, जिनके पास उद्योग का दस वर्षों से अधिक का अनुभव है, ने परिधान उद्योग कैसे काम करता है और टेक-पैक के महत्व के बारे में अपना ज्ञान साझा किया, जिसमें उत्पाद के बारे में विस्तृत जानकारी शामिल है और यह एक संग्रह या परिधान बनाते समय डिजाइनरों और उत्पादन विभाग दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है।

इस वेबिनार में एक इंटरैक्टिव सत्र था, उसमें लगभग ६० प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें छात्र और संकाय शामिल थे।

एफडीडीआई द्वारा बिश्नाह, जम्मू में स्थापित लेदर गुड्स मेकिंग पर प्रशिक्षण कार्यशाला से वांछित परिणाम प्राप्त हुए।

एफडीडीआई द्वारा "बिश्नाह, जम्मू में चमड़े के सामान बनाने पर प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रदान किए गए कौशल विकास प्रशिक्षण ने वांछित परिणाम प्राप्त किए हैं।

प्रतिभागियों द्वारा विकसित दैनिक उत्पाद (उत्पादों)चमड़े, कपड़ा और कढ़ाई को शामिल करते हुए

प्रशिक्षण कार्यशाला बिश्नाह, जम्मू के युवाओं के लिए निःशुल्क थी, जिसके दौरान ०२ अगस्त, २०२१ से ०३" सितंबर २०२१ तक आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में ४६ महिलाओं और एक पुरुष सहित ५० प्रशिक्षुओं ने प्रशिक्षण लिया।

प्रतिभागियों द्वारा विकसित चमड़े, कपड़ा और कढ़ाई को शामिल करते हुए दिन-प्रतिदिन के कुछ और उत्पाद

प्रतिभागियों द्वारा विकसित चमड़े, कपड़ा और कढ़ाई को शामिल करते हुए दैनिक उत्पाद (उत्पादों), प्रशिक्षण कार्यशाला के दौरान, स्थानीय युवाओं को महिलाओं के हैंडबैग, झोला / शॉपिंग बैग, लेडीज बेल्ट, फोटो फ्रेम, लेडीज वॉलेट, कढ़ाई का उपयोग करके मोबाइल केस जैसे दैनिक उत्पाद बनाने के नए डिजाइन और तकनीकों के बारे में सिखाया गया।

प्रशिक्षुओं के साथ जूरी सदस्य

जूरी सदस्य एक प्रशिक्षु द्वारा बनाए गए उत्पादों को देख रहे हैं

जैसा कि कढ़ाई जम्मू और कश्मीर की विरासत को प्रदर्शित करती है, इस संबंध में, प्रतिभागियों को चमड़े और कपड़ों पर टांके के प्रकार सिखाए गए।

प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन पर, श्री राजन शर्मा, नगर समिति के अध्यक्ष और श्री रमेश लाल, उपाध्यक्ष, विश्नाह, श्री एम.आर पुरी, सचिव- सत गुरु मंदिर कार्य समिती विश्नाह की उपस्थिति में एक जूरी सत्र का आयोजन किया गया।

जूरी के सदस्यों ने सभी प्रशिक्षुओं से मुलाकात की और उनके द्वारा बनाए गए उत्पादों का निरीक्षण किया। उन्होंने सभी प्रशिक्षुओं को उनके द्वारा बनाए गए उत्पादों के लिए सराहना/प्रशंसा की। अंत में प्रमाणपत्र वितरण समारोह के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में आयोजित 'सुई' पर ई–कार्यशाला

१४ सितंबर २०२१ को एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'सुई' पर एक ई-कार्यशाला आयोजित की गई। यह स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एसएफडीपी) द्वारा आयोजित किया गया था और श्री बिपिन कुमार सिंह द्वारा संचालित किया गया था। सिंह, बिक्री कार्यकारी, SCHMETZ इंडिया प्रा. लिमिटेड, ए सुई निर्माण इकाई से थे।

श्री बिपिन, जो प्रौद्योगिकी में अच्छी तरह से वाकिफ हैं, ने एक प्रस्तुति के माध्यम से विभिन्न सुई प्रणालियों के बारे में जानकारी दी, जिसमें आकार, जूते, चमड़े और संबद्ध में उपयोग किए जाने वाले आकार शामिल हैं।

श्री बिपिन कु. सिंह, बिक्री कार्यकारी, SCHMETZ इंडिया प्रा.लिमिटेड

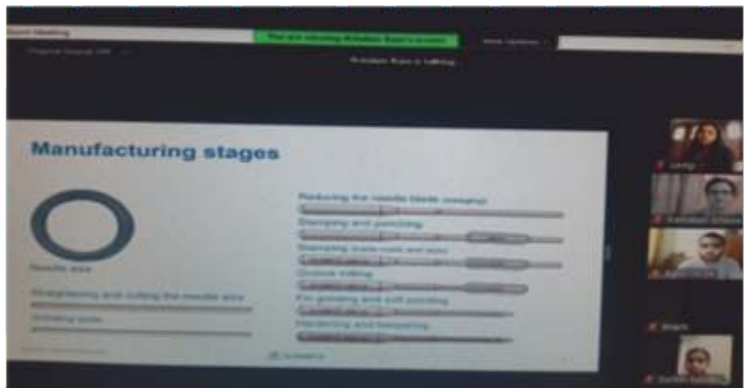

प्रस्तुति जारी है

ई-कार्यशाला का फोकस डिजाइन, उपस्थिति, सामग्री, मशीन, धागा और मांग की आवश्यकता के अनुसार सुई बिंदु के सही उपयोग के चुनाव के बारे में छात्रों को जागरूक करना था।

एफडीडीआई, नोएडा में 'गैर–चमड़े की सामग्री के प्रसंस्करण' पर वेबिनार आयोजित

"गैर-चमड़े की सामग्री का प्रसंस्करण" पर एक वेबिनार ०८ सितंबर को एफडीडीआई, नोएडा में आयोजित किया गया था।

एक ही मास्टरस्ट्रोक के साथ सबसे मूल्यवान दर्शकों के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करने की शक्ति का दोहन करने के लिए डिजिटल संचार का उपयोग करते हुए, वेबिनार ने इसकी बहुमुखी प्रतिभा और क्षमता वाले नए उपकरणों और तकनीकों के कारण गैर-चमड़े की सामग्री के क्षेत्र में हो रहे महत्वपूर्ण विकास पर अंतर्दृष्टि प्रदान की।

वेबिनार का आयोजन स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन एस.एल.जी.ऐ.डी (SLGAD) द्वारा किया गया था, जिसके दौरान जैश (JASCH) इंडस्ट्रीज के निदेशक श्री नवनीत गर्ग रिसोर्स पर्सन थे।

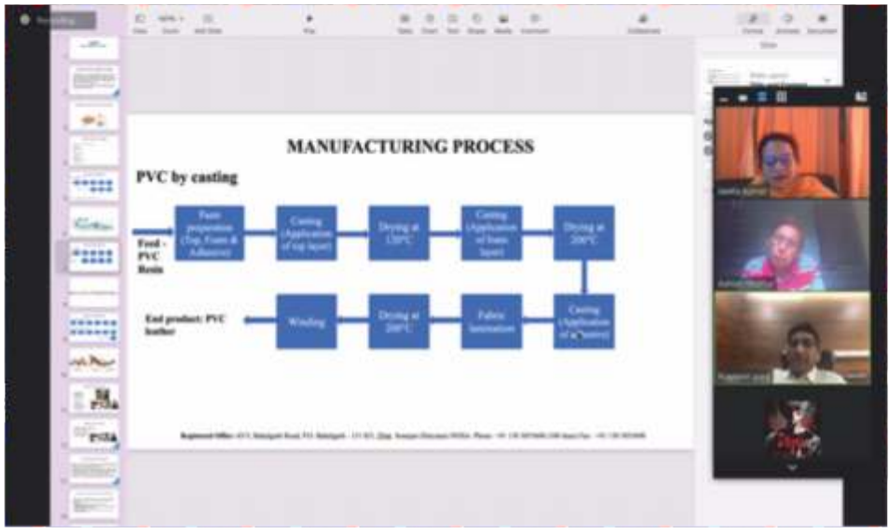

जैश इंडस्ट्री पी.यू. और पीवी. सी.-कोटेड. फैब्रिक्स, पीयू रेजिन और रेडिएशन आधारित न्यूक्लियोनिक गेज के निर्माण के क्षेत्र मे अग्रणी है।

वेबिनार के दौरान, श्री नवनीत ने एक प्रस्तुति के माध्यम से निर्माण प्रक्रिया की जानकारी दी और बताया कि विश्व स्तर पर गैर-चमड़ा उत्पाद क्षेत्र दो दशक पहले की तुलना में अधिक तेज और स्वस्थ दर से बढ़ रहा है।

मुख्य ड्राइविंग सिद्धांतों के रूप में आराम, पुनर्चक्रण, तेजी से पहुंच, बड़े पैमाने पर अनुकूलन पर जोर दिया। वेबिनार में एफएसएलजीएडी के विभिन्न केंद्रों के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया ।

'पैनटोन कलर इंस्टीट्यूट: न्यूटोपिया: ए बैलेंस ऑफ ऑपोजिट्स– कलर दैट सूट्स एंड कलर दैट किक्स' द्वारा अंतर्राष्ट्रीय रंग प्रवृत्ति पर वेबिनार एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के सहयोग से आयोजित किया गया।

३ सितंबर २०२१ को एफडीडीआई हैदराबाद परिसर के सहयोग से 'पैनटोन कलर इंस्टीट्यूट: न्यूटोपिया: ए बैलेंस ऑफ ऑपोजिट्स-कलर दैट सूट्स एंड कलर दैट किक्स' द्वारा एक अंतर्राष्ट्रीय कलर ट्रेंड वेबिनार का आयोजन किया गया।

पैनटोन कलर इंस्टीट्यूट पैनटोन के भीतर की व्यावसायिक इकाई है जो शीर्ष मौसमी रनवे रंगों को हाइलाइट करता है। पैनटोन कलर ऑफ द ईयर का चयन करता है। वैश्विक रंग रुझानों का पूर्वानुमान लगाता है और उत्पाद और ब्रांड दृश्य पहचान के लिए कंपनियों को रंग पर सलाह देता है। मौसमी प्रवृत्ति के पूर्वानुमान, रंग मनोविज्ञान और रंग परामर्श के माध्यम से, पैनटोन कलर इंस्टीट्यूट वैश्विक ब्रांडों के साथ प्रभावी ढंग से साझेदारी करता है।

सुश्री मैरीन वोंग, बिक्री और विपणन निदेशक - पैनटोन एपीएसी

पैनटोनो व्यू कलर प्लानर ऑटमथविंटर २०२२/२०२३

वेबिनार का आयोजन एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एसएफडीपी) के सहयोग से किया गया था, जिसने अंतर्दृष्टि प्रदान की और शरद ऋतु/सर्दियों 2022/2023 के लिए रंग प्रवृत्तियों से संबंधित व्यावहारिक सलाह दी गयी।

सुश्री मैरीन वोंग आटम/विंटर 2022/23 के लिए कलर ट्रेंड्स पर स्पीकर थीं, जो वर्तमान में सेल्स एंड मार्केटिंग-पैनटोन एपीएसी के निदेशक के रूप में काम कर रही हैं।

सुश्री मैरीन २००३ में पैनटोन में शामिल हुईं। वह एशिया प्रशांत क्षेत्र में पैनटोनो फैशन, होम, इंटीरियर कलर सिस्टम के व्यापार विस्तार में एक आवश्यक भूमिका निभाती हैं।

सुश्री मैरीन ने सत्र की शुरुआत पैनटोन कलर इंस्टीट्यूट के परिचय के साथ की और कलर साइकोलॉजी, ट्रेंड फोरकास्टिंग, पैलेट डेवलपमेंट कंज्यूमिंग, ब्रांड कलर आइडेंटिटी कंसल्टिंग, कस्टम कलर स्टैंडर्ड पर विस्तृत विवरण दिया।

एक संवाद सत्र था, जिसके दौरान सुश्री मैरीन ने रंग पूर्वानुमान, पैनटोन कनेक्ट के अनुप्रयोग, पैनटोन रंग पूर्वानुमान में शामिल रणनीति, रंग अनुसंधान, पैनटोन रुझान पूर्वानुमान उत्पादों की शुरूआत (पैनटोनव्यू कलर प्लानर ऑटम-विंटर) पर कोविड-१९ के प्रभाव के बारे में जानकारी दी।

अंतर्राष्ट्रीय कलर ट्रेंड वेबिनार में एफडीडीआई के १२ परिसरों और अन्य संस्थानों के छात्रों, संकाय सदस्यों, स्टाफ सदस्यों सहित २५० से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर द्वारा आयोजित 'फुटवियर के लिए एडवांस लेजर कटिंग तकनीक' पर वेबिनार

फुटवियर उद्योग में हो रही तकनीकी प्रगति पर एक अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए, २४ अगस्त २०२१ को एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में 'फुटवियर के लिए एडवांस लेजर कटिंग तकनीक' पर एक वेबिनार हुआ।

डिजिटल संचार के लाभ को अधिकतम करने के लिए, एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एसएफडीपी) द्वारा वेबिनार का आयोजन किया गया था। इस दौरान श्री नवीन गुप्ता, प्रबंध निदेशक, प्रकाश इंडस्ट्रीज,फरीदाबाद रिसोर्स पर्सन थे।

प्रकाश इंडस्ट्रीज पिछले २० वर्षों से छपाई की दुनिया में अग्रणी नाम है। यह विविध औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए लेजर सिस्टम की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ कुल समाधान प्रदान करता है। प्रकाश ब्रांड उच्च गुणवत्ता वाली मशीनों के अनुसंधान और विकास, नवाचार और उत्पादन के लिए समर्पित है।

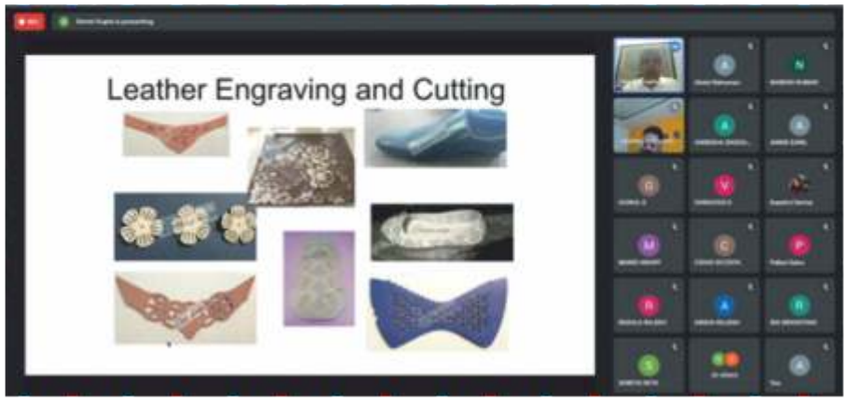

वेबिनार के दौरान, श्री नवीन ने एक प्रस्तुति के माध्यम से लेजर कटिंग तकनीकों के इतिहास और इसके प्रकारों पर प्रकाश डाला। उन्होंने फुटवियर उद्योग के अनुप्रयोगों में औद्योगिक लेजर प्रौद्योगिकी और इसके उपयोगों के बारे में जानकारी दी, जैसे कि फाइबर लेजर का सक्रिय लाभ माध्यम, धातु, प्लास्टिक, रबर आदि जैसे सामग्री को चिह्नित करने की गैर-संपर्क विधि के रूप में फाइबर लेजर अंकन मशीन का उपयोग करने के तरीके से अवगत कराया।

उन्होंने लेदर एनग्रेविंग और कटिंग के लिए सी.ओ.२ (CO2) विधि के अनुप्रयोगों के बारे में भी प्रदर्शन किया और क्लीन एज कटिंग, विस्तृत डिजाइन, लेजर कटिंग विधि की गैर-संपर्क विधि के बारे में भी जानकारी दी।

वेबिनार में एफडीडीआई के १२ परिसरों और अन्य संस्थानों के छात्रों, संकाय सदस्यों, स्टाफ सदस्यों सहित ११० से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

एफडीडीआई ने देशभक्ति के जोश के साथ 'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाया,

'आजादी का अमृत महोत्सव' - 'भारत छोड़ो आंदोलन' के ७५ साल के यादगार अवसर को एफडीडीआई परिसरों में बड़े उत्साह और देशभक्ति के साथ मनाया गया।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'रन फॉर यूनिटी' का एक दृश्य

नोएडा परिसर में डिस्प्ले

प्रगतिशील भारत के ७५ साल और इसके लोगों के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति और उपलब्धियों के उपलक्ष्य में, सभी एफडीडीआई परिसरों में कई कार्यक्रम /प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

तिरंगे की तरह ड्रेस-अप - एफडीडीआई, छिंदवाड़ा

एफडीडीआई, चेन्नई परिसर द्वारा आयोजित आस-पास के गांवों के बच्चों के लिए ड्राइंग प्रतियोगिता

कोविड -19 महामारी के एहतियाती उपायों को बनाए रखने के बीच, ६ अगस्त २०२१ से २३ अगस्त २०२१ तक कार्यक्रमों / प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता - एफडीडीआई, रोहतक परिसर

एफडीडीआई, फुरसतगंज परिसर में 'रन फॉर यूनिटी' का एक दृश्य

नारा लेखन प्रतियोगिता - एफडीडीआई, जोधपुर परिसर

टी-शर्ट पेंटिंग प्रतियोगिता - एफडीडीआई, बनूर (चंडीगढ़) परिसर

एफडीडीआई द्वारा आयोजित कार्यक्रमों/प्रतियोगिताओं में क्विज प्रतियोगिता, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता, टी-शर्ट पेंटिंग प्रतियोगिता, ड्रेस अप जैसे तिरंगा प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता, बैनर मेकिंग प्रतियोगिता, रन फॉर यूनिटी आदि भारत छोड़ो आंदोलन का विषय शामिल थे।

तिरंगे की तरह ड्रेस-अप - एफडीडीआइ, कोलकाता परिसर

कोविड-19 महामारी के मद्देनजर और केंद्र और विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, अधिकांश कार्यक्रम ऑनलाइन आयोजित किए गए थे।

'आजादी का अमृत महोत्सव' के संदेश का प्रसार करते हुए, एफडीडीआई, कोलकाता परिसर ने एक एनजीओ 'ऑफर' द्वारा चलाए जा रहे आनंद घर के ६० छात्रों के लिए 'ड्राइंग प्रतियोगिता' का आयोजन

ड्राइंग प्रतियोगिता - एफडीडीआई, पटना परिसर

टी-शर्ट पेंटिंग प्रतियोगिता - एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर

किया, जो एचआईवी पॉजिटिव बच्चो का निवास स्थान है। इन बच्चों को एनजीओ कौशल आधारित प्रशिक्षण प्रदान करता है।

प्रतिभागियों को मिला राष्ट्रगान का ई-प्रमाण पत्र

विजेताओं को पुरस्कार देते एमडी, एफडीडीआई

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा की गई पहल को ध्यान में रखते हुए 'आजादी का अमृत महोत्सव' उत्सव के तहत एफडीडीआई के कर्मचारियों और छात्रों द्वारा बड़ी संख्या में राष्ट्रगान का गायन और अपलोडिंग भी किया गया।

एफडीडीआई के परिसरों और छात्रों के प्रदर्शन के लिए पुरस्कार और प्रमाण पत्र २७ अगस्त २०२१ को श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस, प्रबंध निदेशक (एमडी), एफडीडीआई द्वारा दिया गया। एफडीडीआई के सभी परिसरों और छात्रों ने इस समारोह को देखा क्योंकि पूरे कार्यक्रम को वर्चुअल प्लेटफॉर्म का उपयोग करके लाइव किया गया था।

कुल २४५५ प्रतिभागियों, जिनमें एफडीडीआई के सभी परिसरों के कर्मचारी और छात्र शामिल थे, ने 'आजादी का अमृत महोत्सव' समारोह के दौरान आयोजित कार्यक्रमों/प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया और इस आयोजन को सफल और यादगार बना दिया।

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता - एफडीडीआई, नोएडा परिसर

फैकल्टी एफडीडीआई, फुर्सतगंज द्वारा लिखित तकनीकी लेख 'शटल्स एंड नीडल्स' में प्रकाशित हुआ।

श्री राजेश शर्मा, सीनियर फैकल्टी/एचओडी- स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एसएफडी), फुरसतगंज द्वारा लिखित एक तकनीकी लेख 'इकत वीविंग विद रिगिड हेडल लूम' मासिक न्यूजलेटर 'शटल्स एंड नीडल्स ऑफ' चेन्नई के अगस्त २०२१ के अंक में प्रकाशित हुआ है।

श्री राजेश शर्मा, सीनियर फैकल्टी/एचओडी - एफएसएफडी, फुरसतगंज

श्री राजेश ने फैशन डिजाइन में मास्टर डिग्री और एमएस यूनिवर्सिटी और पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ से एमए अंग्रेजी साहित्य और फैशन डिजाइन में एम.फिल किया है। शिक्षा और उद्योग में २२ से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ डिजाइन विकास, परिधान, वस्त्र, पारंपरिक शिल्प और ग्राफिक्स में गहरी रुचि रखता है।

इस तकनीकी लेख के बारे में जानकारी देते हुए श्री शर्मा ने कहा, "तकनीकी रूप से, इकत एक बुना हुआ कपड़ा है जो यार्न प्रतिरोध द्वारा तैयार किया जाता है। श्री राजेश शर्मा रंगाई तकनीक ज्वलंत सतह डिजाइन पैटर्न बनाने के लिए सतह का डिजाइन कपड़े के दोनों ओर दिखाई देता है।"

लेख https%//mailchi-mp/shuttlesandneedles-com/august&2021&newsletter लिंक पर उपलब्ध है।

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में 'फुटवियर पर फुट एनाटॉमी का महत्व' पर मास्टर क्लास आयोजित

१७ अगस्त, २०२१ को एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में ऑनलाइन मोड के माध्यम से फुटवियर पर फुट एनाटॉमी के महत्व पर एक मास्टर क्लास आयोजित की गई।

मुख्य वक्ता – डह पवन कुमार साध्वानी सलाहकार हड्डी रोग विशेषज्ञ, संयुक्त प्रतिस्थापन, आर्थोस्कोपिक, पैर और टखने

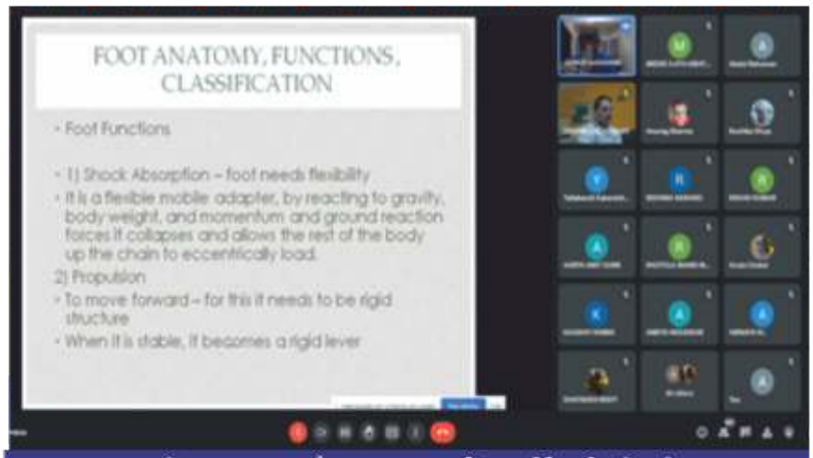

प्रस्तुति का एक दृश्य और मास्टर क्लास में भाग लेने वाले प्रतिभागी

यह विशेष वर्ग एफडीडीआइ, हैदराबाद परिसर के स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एसएफडीपी) द्वारा आयोजित किया गया था, जिसने मानव पैर शरीर रचना विज्ञान और शरीर विज्ञान और फुटवियर के डिजाइन के लिए विचार किए जाने वाले मापदंडों का गहन ज्ञान दिया।

डॉ. पवन कुमार साध्यानी मास्टर क्लास के मुख्य वक्ता थे– हैदराबाद में कंसल्टेंट ऑर्थोपेडिक, जॉइंट रिप्लेसमेंट, आथ्रोस्कोपिक, फुट एंड एंकल सर्जन के रूप में कार्यरत है।

डॉ. एनटीआर यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज आंध्र प्रदेश से डॉ पवन कुमार साध्वानी, एमबीबीएस, एमएस (ऑर्थोपेडिक्स) जर्मनी से एक योग्य फेलोशिप संयुक्त प्रतिस्थापन विशेषज्ञ हैं। वह एक हड्डी रोग सर्जन सलाहकार (हैदराबाद नर्सिंग होम और विजया अस्पताल और सलाहकार आथ्रोप्लास्टी (अस्पताल डीयू सिंकेटेनेयर, अफ्रीका) के रूप में १३ से अधिक वर्षों से अभ्यास कर रहे हैं।

डॉ. पवन ने एक प्रस्तुति के माध्यम से पैर की संरचना और कार्य, पैर के मूल भाग, पैर और पैर की असामान्यताओं के वर्गीकरण से संबंधित अंतर्दृष्टि और व्यावहारिक सलाह दी।

उन्होंने बायोमैकेनिक्स, कदम के चाल चक्र, स्विंग चरण और स्टैंड चरण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने आगे मानव पैर की शारीरिक रचना और इसकी संरचना के बारे में जानकारी दी कि कैसे प्रत्येक हड्डियां और जोड़, स्नायुबंधन और टेंडन, मांसपेशियां, तंत्रिकाएं, रक्त वाहिकाएं मानव बायोमैकेनिक में कार्य करती हैं, आदि।

डॉ. पवन ने विभिन्न विकृतियों, अकिलीज टेंडन के कारणों, फ्लैट पैरों के उपचार और इसके प्रकारों के बारे में जानकारी दी, वृद्ध लोग फ्लैट पैरों से कैसे निपटते हैं, उच्चारित और सुपाइनेटेड पैर, प्रदर्शन के जूते के लिए एच्लीस टेंडन को मजबूत करना और चिकित्सीय जूते के महत्व आदि के बारे में बताया।

संवाद सत्र के दौरान उन्होंने प्रतिभागियों द्वारा उठाए गए विभिन्न प्रश्नों को भी स्पष्ट किया।

मास्टर वर्ग में छात्रों सहित १६० से अधिक प्रतिभागियों और एफडीडीआई के १२ परिसरों और अन्य संस्थानों के संकाय सदस्य, स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर ' में मधुबनी' पेंटिंग पर लाइव ई–कार्यशाला आयोजित

एफडीडीआई, नोएडा में मधुबनी पेंटिंग पर एक लाइव ई-कार्यशाला १६ अगस्त २०२१ को आयोजित की गई।

स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (SLGAD) द्वारा ऑनलाइन मोड के माध्यम से ई-वर्कशॉप का आयोजन पूर्वाह्न ११:०० बजे से अपराह्न ४ बजे तक किया गया था, जिसके लिए श्रीमती नर्मदा देवी, मास्टर कारीगर, अध्यक्ष, शिल्प संघ मधुबनी पेंटिंग्स बिहार की रिसोर्स पर्सन थी

लाइव ई-वर्कशॉप चल रही है

डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हुए, इंटरैक्टिव क्षमता, कौशल वृद्धि को अधिकतम करने और प्रतिभागियों को चमड़े के सामान और सहायक उपकरण डिजाइन में पारंपरिक कला और शिल्प यानी मधुबनी पेंटिंग्स में सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में जागरूक करने के लिए ई-कार्यशाला आयोजित की गई थी।

ई-कार्यशाला के दौरान, श्रीमती नर्मदा देवी ने प्रतिभागियों को बहुमूल्य सुझाव दिए और बताया कि कैसे फूलदान, लेडीज बैग, मोबाइल स्टैंड, पेन स्टैंड, फोटो फ्रेम जैसी कठोर वस्तुओं को बनाने में मूल भाव, रंग भरने और फिनिशिंग की बुनियादी तकनीकें बनाई जाती हैं। कार्ड धारक, गृह सज्जा उत्पाद, आदि मुख्य रूप से मधुबनी पेंटिंग के साथ चमड़े और अन्य सामग्री से बने होते हैं।

संसाधन व्यक्ति- श्रीमती नर्मदा देवी, मास्टर कारीगर, अध्यक्ष, शिल्प संघ

एफडीडीआई परिसरों में 75वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया.

एफडीडीआई के सभी परिसरों में १५ अगस्त २०२१ को ७५वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह और देशभक्ति के साथ मनाया गया।

श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस, प्रबंध निदेशक, एफडीडीआई ने तिरंगा फहराया

श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस, प्रबंध निदेशक, एफडीडीआई ने एफडीडीआई, नोएडा परिसर में एफडीडीआई के कर्मचारियों और छात्रों की उपस्थिति में तिरंगा फहराया।

मुख्य भाषण देते हुए, श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस, प्रबंध निदेशक, एफडीडीआई ने कहा, "यह उत्सव इसलिए भी खास है क्योंकि यह भारतीय स्वतंत्रता की ७५वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मनाया जाता जा रहा है। हमारे माननीय प्रधान मंत्री द्वारा परिकल्पित इस "आजादी का अमृत महोत्सव" को मनाने के लिए, एफडीडीआई गतिविधियों की एक श्रृंखला का आयोजन कर रहा है जिसमें प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, स्लोगन लेखन प्रतियोगिता, टी-शर्ट पेंटिंग प्रतियोगिता, ट्राई जैसे ड्रेस-अप शामिल हैं। भारत छोड़ो आंदोलन की थीम पर रंग निबंध, बैनर मेकिंग प्रतियोगिता और रन फॉर यूनिट आदि शामिल है।

COVID-19 महामारी के एहतियाती उपायों को बनाए रखने के बीच, एफडीडीआई के सभी परिसरों में ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रगान हुआ।

एफडीडीआई, फुरसतगंज परिसर में ध्वजारोहण का दृश्य

एफडीडीआई, चेन्नई परिसर का एक दृश्य

एफडीडीआई, अंकलेश्वर परिसर में ध्वजारोहण

एफडीडीआई,छिन्दवारा द्वारा आयोजित 'नेशनल हैंडलूम डे, जागरूकता वेबिनार

७ अगस्त २०२१ को, एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर ने जागरूकता वेबिनार के साथ 'राष्ट्रीय हथकरघा दिवस' मनाया।

एफडीडीआई स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (FSFD) ने वेबिनार के लिए तीन प्रख्यात वक्ताओं को आमंत्रित किया था जो देश के सामाजिक-आर्थिक विकास में हथकरघा के योगदान और बुनकरों की आय में वृद्धि पर प्रकाश डालते हैं।

श्री आर.के.गौतम,आईएएस, डिप्टी कमिश्नर सिरमौर, नाहन, हिमाचल प्रदेश के पहले वक्ता थे। इसके अलावा, पद्मश्री एस शाकिर अली, जिन्होंने विभिन्न पारंपरिक स्कूलों में प्रसिद्ध कलाकार श्री वेद पाल शर्मा के मार्गदर्शन में कला सीखी है और मुगल कला शैली और लघु चित्रकला कला, जयपुर राजस्थान और पद्मश्री विजय शर्मा, लघु चित्रकला चंबा मे माहिर हिमाचल प्रदेश हिमाचल प्रदेश, जिन्होंने पहाड़ी लघु चित्रकला की परंपरा को पुनर्जीवित करने में अग्रणी भूमिका निभाई है, को इस अवसर पर वक्ताओं के रूप में आमंत्रित किया गया और वेबिनार के दौरान प्रतिभागियों के साथ अपने विचार साझा किए गए।

अतिथि वक्ताओं के साथ-साथ चंदेरी और माहेश्वरी कला से संबंधित ३५ से अधिक कारीगर, और एफडीडीआई के छात्र और कर्मचारी वेबिनार में शामिल हुए।

पद्मश्री एस. शाकिर अली और पद्मश्री विजय शर्मा ने अपने लघु कला रूपों को प्रस्तुत किया और समझाया और प्रतिभागियों के साथ संवादात्मक सत्र के दौरान विभिन्न तकनीकों पर विस्तार से बताया।

दृश्य वृत्तचित्र के माध्यम से, एफएसएफडी के छात्रों ने कढ़ाई कला, चंदेरी साड़ी, माहेश्वरी साड़ी और पठानी सिल्क पर हथकरघा विषय पर आधारित अपने काम का प्रदर्शन किया, जिसकी बहुत सराहना की गई।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'एन इनसाइट टू मॉल मैनेजमेंट' पर वेबिनार आयोजित

०३ अगस्त २०२१ को एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'एन इनसाइट टू मॉल मैनेजमेंट' विषय पर एक वेबिनार आयोजित किया गया था।

Google मीट प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हुए वेबिनार का आयोजन एफडीडीआई स्कूल ऑफ रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइज द्वारा किया गया था, जो मॉल प्रबंधन के ड्राइवरों से संबंधित अंतर्दृष्टि और व्यावहारिक सलाह प्रदान करता था और कैसे स्मार्ट मॉल प्रौद्योगिकियां व्यवसाय संचालन में सुधार कर सकती हैं और अलग-अलग खरीदारी अनुभव प्रदान कर सकती हैं।

श्री मुकेश वेलाचा, एक वित्तीय सलाहकार और मॉल संचालन के पूर्व प्रमुख ग्रेट इंडिया पैलेस, नोएडा वेबिनार के मुख्य वक्ता थे।

श्री मुकेश वेलाचा मॉल प्रबंधन के चालकों के बारे में जानकारी देते हुए

श्री वलेचा द्वारा लिया गया एक अमिट सत्र, सभी प्रतिभागियों के लिए आंखें खोलने वाला था। उन्होंने लीजिंग मिक्स, एंकर स्टोर्स की नियुक्ति, ओवरहेड और रखरखाव, राजस्व सृजन और पोस्ट-सीओवीआईडी स्थिति और मॉल, खुदरा विक्रेताओं और उपभोक्ताओं की जरूरतों को कैसे पूरा किया जाए, इस पर अंतर्दृष्टि दी।

सत्र में ७० से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

एफडीडीआई, हैदराबाद द्वारा आयोजित 'फुटवियर के लिए मानक' पर वेबिनार

हैदराबाद परिसर भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) जागरूकता कार्यक्रम के प्रमुख के तहत ०२ अगस्त, २०२१ को 'फुटवियर के लिए मानक' पर एक वेबिनार आयोजित किया गया था।

क्रमांक	मुख्य वक्ता और पदनाम	प्रस्तुत विषयों का विवरण
1.	श्री पी वी श्रीकांत, वैज्ञानिक-डी, बीआईएस-हाइबो	बीआईएस की गतिविधियां मानक तैयार करना प्रयोगशाला सेवाएं हहलमार्किंग गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली (क्यूएमएस) प्रशिक्षण उपभोक्ता जुड़ाव
2.	श्री बी जे गौतम, वैज्ञानिक-सी, बीआईएस-हाइबो	अनुरूपता का निर्धारण उत्पाद प्रमाणन योजना उत्पाद विशिष्ट दिशानिर्देश (उत्पाद नियमावली) प्रमाणन प्रक्रिया बीआईएस केयर ऐप भारतीय मानक मुफ्त में कैसे डाउनलोड करें उत्पाद मैनुअल कैसे डाउनलोड करें
3.	सुश्री विदिशा, वैज्ञानिक-बी, बीआईएस-हाइबो	क्यूसीओ, फुटवियर पर मानक क्यूसीओ के बारे में परिचय अनिवार्य फुटवियर मानक फुटवियर के लिए सामान्य परीक्षण
4.	श्री के वी राव, वैज्ञानिक-ई और हेड-एचवाईबीओ	ओपन हाउस चर्चा

चार सत्रों वाले वेबिनार का आयोजन एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एसएफडीपी) द्वारा किया गया था और बीआईएस, हैदराबाद शाखा कार्यालय (एचवाईबीओ) द्वारा प्रस्तुत किया गया था।

प्रभावी संचार के लिए इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हुए, वेबिनार ने उचित सुरक्षा और गुणवत्ता प्रक्रियाओं से जुड़ी जटिलताओं को नेविगेट करने के लिए परीक्षण, निरीक्षण और प्रमाणन में कुछ प्रसिद्ध विशेषज्ञों से प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया।

प्रमुख वक्ता, यानी बीआईएस के वैज्ञानिक, प्रस्तुति और चर्चा के माध्यम से दुनिया भर के उद्योगों को प्रभावित करने वाली लगातार बदलती आवश्यकताओं पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

ओपन हाउस चर्चा सत्र के दौरान, वैज्ञानिक ने विभिन्न परीक्षण विधियों, जूते के लिए बीआईएस मानकों और इन मानकों के आवेदन के बारे में जानकारी दी, और निर्माताओं, उद्योगपतियों और अन्य प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए विभिन्न तकनीकी प्रश्नों को भी स्पष्ट किया।

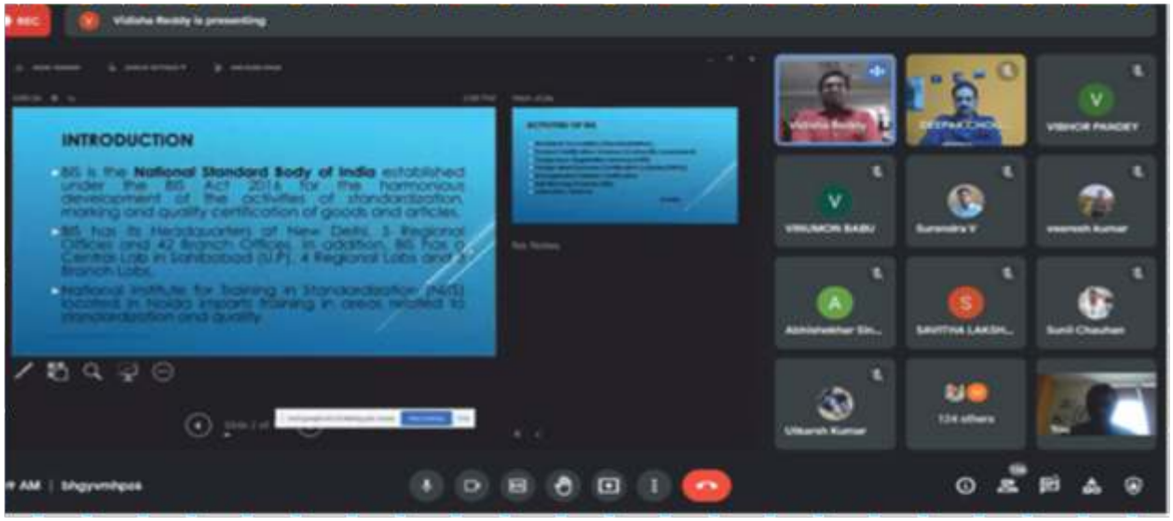

वेबिनार में २१० से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें एफडीडीआई के १२ परिसरों के छात्रों, संकाय सदस्यों, स्टाफ सदस्यों और बाटा इंडिया लिमिटेड, पादुका एंटरप्राइजेज, टीयूवी एसयूडी साउथ एशिया लिमिटेड, फुटशैप, पाटलिपुत्र, सुखसन, इंडियाना फुटवियर, निकोली शूज, चेरी लाइफ प्राइवेट लिमिटेड जैसे अन्य संस्थानों और निर्माता और उद्योगपति शामिल थे। ।

कढ़ाई प्रतियोगिता में एफडीडीआई, छिंदवाड़ा के छात्र ने दूसरा पुरस्कार जीता।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा की छात्रा सुश्री प्रिया धोटे ने ३० जुलाई, २०२१ को सेज इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, इंदौर द्वारा वस्तुतः आयोजित की गई कढ़ाई प्रतियोगिता के दौरान दूसरा पुरस्कार हासिल किया।

सुश्री प्रिया धोटे - एफएसएफडी, छिंदवाड़ा की छात्रा

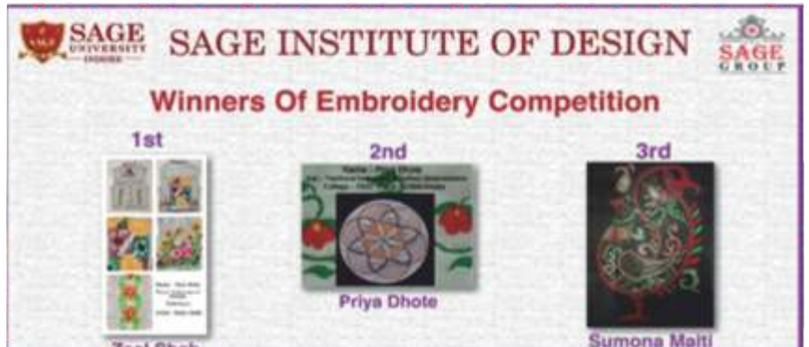

कढ़ाई प्रतियोगिता के विजेता

इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, सेज यूनिवर्सिटी, इंदौर ने 'विश्व कढ़ाई दिवस' के अवसर पर इस ऑनलाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया था, जो युवा रचनात्मक दिमागों के बीच भारतीय विरासत और पारंपरिक हाथ कढ़ाई तकनीकों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ३० जुलाई को आयोजित किया जाता है।

सुश्री प्रिया धोटे द्वारा बनाई गई पारंपरिक चंबा की हाथ की कढ़ाई

सुश्री प्रिया धोटे द्वारा बनाई गई पश्चिम बंगाल की कांथा हाथ की कढ़ाई

इस इंटरकॉलेज प्रतियोगिता में, कुल ८७ छात्रों ने भाग लिया, जो एसएनडीई विश्वविद्यालय, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय (एमएसयू) बड़ौदा, एफडीडीआई, छिंदवाड़ा, पारुल विश्वविद्यालय, एमएच कॉलेज ऑफ होम साइंस, जबलपुर आदि संस्थानों से थे। सभी प्रविष्टियों में, सुश्री प्रिया धोटे ने कढ़ाई के काम में दूसरा स्थान हासिल किया।

प्रभावी ढंग से डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हुए स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एसएफडी) की छात्रा सुश्री प्रिया धोटे ने अपनी रचनात्मकता का संचार करते हुए कढ़ाई की स्कैन की हुई छवियां प्रस्तुत कीं। सुश्री प्रिया धोटे द्वारा बनाई गई बंगाल की पारंपरिक चंबा हाथ की कढ़ाई और पश्चिम बंगाल की कांथा हाथ की कढ़ाई को जूरी से प्रशंसा मिली।

प्रतियोगिता का निर्णय सुश्री नीति सिंघल, संस्थापक और टिकाऊ फैशन ब्रांड "ट्वी टू वन", मुंबई की डिजाइनर द्वारा किया गया था, जो लंदन और न्यूयॉर्क में कई शो में दिखाई दी हैं, जिसमें (NYFW) एन.वाई.एफ.डब्लू., सितंबर-२०१९ में प्रदर्शित संग्रह और सुश्री करिश्मा दलाल (गंगा फैशन एक्सपोर्ट्स, सूरत में डिजाइन हेड) शामिल हैं।

अमेठी, उत्तर प्रदेश के चमड़े के समूह के कारीगरों को एफडीडीआई, फुरसतगंज परिसर में तकनीकी अनुभव प्राप्त हुआ

अमेठी के लेदर गुड्स एंड एसोसिएटेड फैशन एक्सेसरीज क्लस्टर के ३० कारीगरों के एक समूह ने २६ जुलाई २०२१ को एफडीडीआई, फुरसतगंज परिसर का दौरा किया।

समूह के सदस्य 'सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSME)एम.एस.एम.इ. के मास्टर ट्रेनर थे, जो सेंटर ऑफ टेक्नोलॉजी एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (CTED) सी.टी.ई.डी.के तहत उद्यमिता की विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

यात्रा का उद्देश्य चमड़े और गैर-चमड़े जूते, उत्पाद और डिजाइन विकास, उभरती हुई प्रौद्योगिकियां, कच्चे माल, उपकरण और तकनीक और जीवन शैली के सामान के निर्माण में शामिल प्रक्रियाओं पर तकनीकि प्रदर्शन प्राप्त करना था।

एक्सपोजर विजिट के दौरान, एफडीडीआई के संकायों ने उन्हें टेबल कैलेंडर, मोबाइल कवर, लेदर पेन स्टैंड, टिशू पेपर बॉक्स, फोटो फ्रेम, फाइल फोल्डर, आदि जैसे जीवन शैली के सामान के बारे में जानकारी दी। उन्हें खुले जूते के बारे में भी जानकारी दी गई जैसे कि नागरा, स्लीपर, सैंडल जिन्हें शुरुआती स्टार्टअप के लिए कम मशीनों की आवश्यकता होती है।

तकनीकी प्रदर्शन पर विभिन्न नवीनतम मशीनरी, बाजार की प्रवृत्ति, नवीनतम डिजाइन और विकास, उत्पाद की लागत, खपत आदि, जो चमड़े और जूते उद्योग में नवोदित उद्यमियों के लिए महत्वपूर्ण कारक हैं, भी प्रदान किए गए।

एफडीडीआई, कोलकाता में 'फुटवियर डिजिटल डिजाइन' पर वेबिनार आयोजित

संचार के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का प्रभावी ढंग से उपयोग करते हुए, २६ जुलाई २०२१ को एफडीडीआई, कोलकाता परिसर में 'फुटवियर डिजिटल डिजाइन' पर एक वेबिनार आयोजित किया गया।

वेबिनार का आयोजन रेड २१ और सीएमआई मशीन्स प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से किया गया था। जो इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे डिजिटल परिवर्तन फुटवियर के तरीके को बदल रहा है और यह डिजाइनर की भूमिका को कैसे प्रभावित करेगा।

श्री सिद्धांत वर्मा, तकनीकी प्रबंधक-लाल २१, वेबिनार के संसाधन व्यक्ति थे। उन्हें फुटवियर डिजाइन और सॉफ्टवेयर उद्योग में १५ से अधिक वर्षों का अनुभव है।

श्री सिद्धांत वर्मा ने सुपर हाउस ग्रुप में 'डिजाइनर' के रूप में, एटीओएम- शोमास्टर कंपनी में "तकनीकी प्रबंधक" के रूप में और आईसीएडी कंपनी में 'तकनीकी प्रबंधक और व्यवसाय विकास प्रबंधक' के रूप में काम किया है।प्रस्तुति के दौरान, श्री वर्मा ने ३डी वर्चुअल सैंपल बनाकर, सॉफ्टवेयर में सिंगल क्लिक में कॉस्टिंग कर, ग्राहक को ३डी वर्चुअल सैंपल ऑनलाइन भेजकर, थ्रीडी प्रिंटिंग के लिए फाइल भेजकर, सॉफ्टवेयर में ३डी आभूषण बनाकर समय और सामग्री की बचत के बारे में जानकारी दी।

फुटवियर उद्योग के लिए डिजिटल परिवर्तन, संकट के समय में डिजिटलीकरण का लाभ और कोविड-19 महामारी के कारण वर्तमान परिस्थितियों में भविष्य के लिए कैसे तैयार रहना है, इस पर ध्यान केन्द्रित किया।

वेबिनार में एफडीडीआई के १२ परिसरों के छात्रों, संकाय सदस्यों और स्टाफ सदस्यों और अन्य संस्थानों और उद्योग के व्यक्तियों सहित लगभग १०० प्रतिभागियों ने भाग लिया।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'गारमेंट साइज और फिट' पर वेबिनार आयोजित

१८ जुलाई २०२१ को एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'गारमेंट साइज एंड फिट' विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया।

श्री राज चौधरी - वेबिनार के लिए संसाधन व्यक्ति साझा व्यापार युक्तियाँ को बताते हुए

इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हुए वेबिनार ने कपड़ों की फिटिंग, फिटिंग की समस्याओं के सुधार, शून्य अपशिष्ट पैटर्न, आवेदन और महत्व से संबंधित अंतर्दृष्टि और व्यावहारिक सलाह प्रदान की।

वराणा डिजाइन के टेक डिजाइन प्रमुख श्री राज चौधरी वेबिनार के रिसोर्स पर्सन थे। वह नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट) के पूर्व छात्र हैं, जिनके पास उद्योग में १८ से अधिक वर्षों का शानदार अनुभव है और उन्होंने मिंत्रा, शाही एक्सपोर्ट्स, गुड अर्थ और कई अन्य बड़े नामों के साथ काम किया है।

वेबिनार के दौरान, श्री राज ने अपने दशकों के अनुभव से व्यावसायिक सुझाव साझा किए और परिधान निर्माण के प्रत्येक पहलू के बारे में जानकारी दी, भारत जैसे देश के लिए प्रासंगिक आकार के साथ ग्राहक को संतुष्ट करने के लिए चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जहां निर्माताओं के पास कोई मानक आकार चार्ट नहीं है।

प्रस्तुति के दौरान, श्री राज ने कुछ आवश्यक सुझाव भी दिए कि कैसे भारत जैसे देश में लिंग और जातीय विविधता, व्यापक आयु वर्ग, विभिन्न निकाय आकार और परिधान पहनने की प्राथमिकताएँ हैं।

एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बानूर) परिसर में 'शिक्षाशास्त्र तकनीकों के रूप में अनुसंधान के अनुप्रयोग' पर एफडीपी आयोजित

१४ और १५ जुलाई २०२१ को एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बानूर) परिसर में 'अध्यापन तकनीक के रूप में अनुसंधान के अनुप्रयोग' विषय पर एक संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) आयोजित किया गया था।

प्रोफेसर यशवीर त्यागी (पूर्व प्रमुख- अर्थशास्त्र विभागध्परीक्षा नियंत्रक- लखनऊ विश्वविद्यालय/अर्थशास्त्री) 'शिक्षाशास्त्र तकनीकों के रूप में अनुसंधान के अनुप्रयोग' विषय पर ब्रीफिंग करते हुए

एफडीपी का आयोजन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शिक्षण नैतिकता पर आंतरिक संसाधनों को अद्यतन रखने और अनुसंधान तकनीकों की अवधारणाओं को ताजा करने, संकाय और स्टाफ सदस्यों के शोध पत्रों के लेखन और प्रकाशन के लिए किया गया था जो संस्थान की सबसे बड़ी संपत्ति है।

१४ जुलाई २०२१ को, एक प्रस्तुति के माध्यम से, एफडीपी के दौरान, प्रोफेसर यशवीर त्यागी (पूर्व प्रमुख- अर्थशास्त्र विभाग / परीक्षा नियंत्रक- लखनऊ विश्वविद्यालय / अर्थशास्त्री) ने शिक्षण और अन्य कौशल को बढ़ाने के लिए आधुनिक शिक्षण उपकरण और कार्यप्रणाली के बारे में संकाय सदस्यो को जानकारी दी।

प्रो. त्यागी ने शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ ज्ञान निर्माता के रूप में अनुसंधान करने के लिए उच्च शिक्षा के शिक्षकों के महत्व और जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला। उन्होंने उद्योगों के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान पर जोर दिया। उन्होंने संस्थानों में अंत:विषय और बहु-विषयक शोध के लिए भी प्रेरित किया।

१५ जुलाई २०२१ को एफडीडीआई हैदराबाद परिसर के स्कूल ऑफ रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइज के प्रमुख डॉ. महेश सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। डॉ. महेश ने शोध प्रक्रिया, शोध पत्र लिखने और उपयुक्त जर्नल खोजने के संबंध में जानकारी का प्रसार किया।

संचार के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का प्रभावी ढंग से उपयोग करते हुए, सभी परिसरों से १०५ संकाय पंजीकृत हुए और ऑनलाइन एफडीपी में शामिल हुए।

एफडीडीआई, फुर्सतगंज पारंपरिक इकत शिल्प पर 'नवाचार विकास कार्यक्रम' आयोजित

एफडीडीआई, फुर्सतगंज परिसर में १२ जुलाई से १४ जुलाई, २०२१ तक पारंपरिक इकत शिल्प पर एक नवाचार विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इकत फैब्रिक में जानबूझकर ब्लीड और धुंधली रेखाएं होती हैं, जो इसकी प्रमुख पहचान कारक है। यह दुनिया के कई हिस्सों में अपनी जातीय शैलियों के साथ उत्पादित किया जाता है। ओडिशा भारत में इस कपड़े का प्रमुख उत्पादक है। इकत में, कपड़े की सतह पर अलग-अलग डिजाइन, आकृति और पैटर्न तैयार करने के लिए यार्न रेसिस्टेंट डाइंग की तकनीक का उपयोग किया जाता है। इस कपड़े को बनाने में सूती और रेशमी धागों का इस्तेमाल किया जाता है।

फैकल्टी और स्टाफ सदस्यों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया और पारंपरिक इकत कपड़े के साथ नए कपड़े डिजाइन विकास को नया करने का काम दिया गया।

श्री राजेश शर्मा, शटल एंड नीडल्स स्टूडियो, चेन्नई द्वारा प्रमाणित प्रशिक्षित बुनकर, प्रदर्शन का उपयोग करते हुए प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने यार्न की तैयारी, यार्न का विरोध, डिजाइन योजना और विभिन्न यार्न काउंट के साथ नमूना विकास के बारे में जानकारी दी। फैकल्टी सदस्यों ने हथकरघा बुनाई पर वास्तविक कपड़े का नमूना तैयार किया।

श्री राजेश शर्मा द्वारा सूत तैयार करने पर दिया जा रहा प्रदर्शन

इस ३ दिवसीय कार्यक्रम के दौरान, संकाय सदस्यों ने इकत की पारंपरिक शैली में नए नवाचारों के साथ सामने आए और वास्तविक कपड़े के नमूने विकसित किए।

एफडीडीआई परिसरों में 'सातवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' मनाया गया

एफडीडीआई ने २१ जून, २०२१ को अपने सभी परिसरों में सातवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को उत्साह के साथ मनाया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस २०२१ को इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से कोविड-19 महामारी को ध्यान में रखते हुए योगशाला के रूप में घर पर स्वास्थ्य-योग के लिए योग के रूप में मनाया गया।

'योगशाला' का संचालन प्रसिद्ध योग प्रशिक्षक और मध्यस्थता गुरु श्री हरीश कुमार आचार्य द्वारा किया गया, जो पी. एच.डी. पुरोहित्य में, योग में एमए और श्री दीपक राजपूत योग में एमए ने किया।

योग गुरु ने समझाया कि योग कोई धर्म नहीं है, इसका जीवन जीने का तरीका स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन की ओर है। मनुष्य एक शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक प्राणी है; योग भारत में आयुर्वेद में बताए गए तीनों के बीच संतुलन विकसित करने में मदद करता है।

वर्चुअल योगशाला में विभिन्न परिसरों के लगभग २००-२५० कर्मचारियों ने बड़े जोश और उत्साह के साथ भाग लिया।

एफडीडीआई, फुरसतगंज परिसर में पौधरोपण अभियान

विश्व पर्यावरण दिवस (WED) के अवसर पर ५ जून २०२१ को, विश्व पर्यावरण दिवस एफडीडीआई, फुरसतगंज परिसर में एक वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया था।

पौधारोपण अभियान ०५ जून २०२१ से १० जून २०२१ तक, संस्थान की पहल के अनुरूप अमेठी और रायबरेली जिले में हरित आवरण में योगदान के रूप में आयोजित किया गया था।

कोविड-19 महामारी, के एहतियात उपायों को बनाए रखते हुए संस्थान के स्टाफ सदस्यों ने परिसर में पौधे लगाए।

'द्वितीय आभासी निर्वाह बाजार' सम्मेलन, लॉस एंजिल्स यूएसए, के दौरान एफडीडीआई के संकाय द्वारा शोध पत्र, प्रस्तुत किया गया

सुश्री रेणु शर्मा, कंसल्टेंट - रिटेल ऑफ एफडीडीआई, नोएडा कैंपस ने २८" से ३०" मई २०२१ तक लॉस एंजिल्स, यूएसए में आयोजित मार्केटप्लेस सम्मेलन में सेकेंड वर्चुअल सब्सिस्टेंस के दौरान 'उच्च शिक्षा में शिक्षकों के बीच थॉट एक्सपेरिमेंट एंड प्लेफुलनेस' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

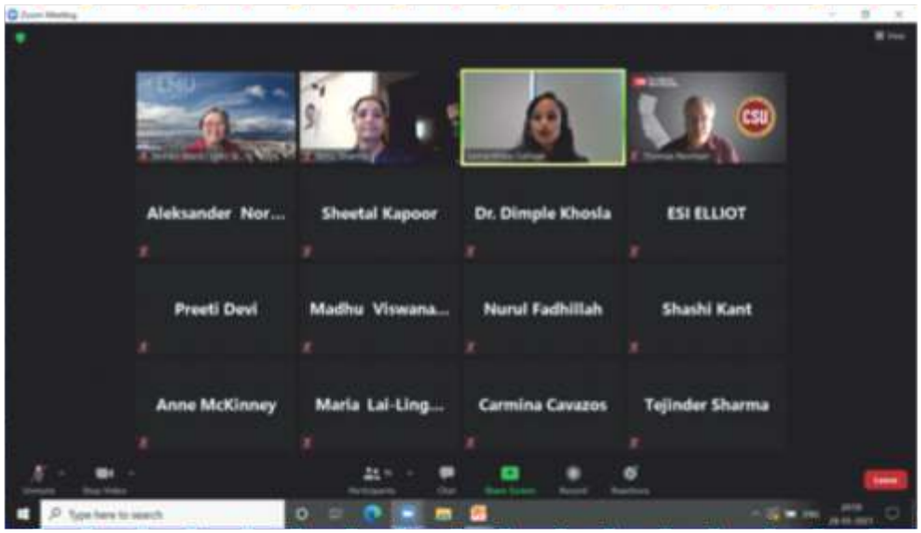

उनकी प्रस्तुति कोविड-19 के पश्चात दुनिया में कॉन्फ्रेंस ट्रैक, शिक्षा और आजीविका का एक हिस्सा थी। ताजा विचारों और दृष्टिकोणों को लाने के लिए उन्हें नॉटिंघाम विश्वविद्यालय से अपनी ट्रैक चेयर, डॉ. सामंथिका गैलेज से सराहना मिली।

तंजानिया के उद्यमियों का साक्षात्कार लिया ताकि उनके सामने आने वाली व्यक्तिगत और व्यावसायिक चुनौतियों को समझा जा सके।

एफडीडीआई अंकलेश्वर परिसर में 'डिजाइन प्रोसेस टू पोर्टफोलियो' पर वेबिनार, आयोजित

एफडीडीआई, अंकलेश्वर परिसर में १६ से २१ मई २०२१ तक 'डिजाइन प्रोसेस टू पोर्टफोलियो' पर एक वेबिनार आयोजित किया गया था।

श्री सौमिक मंडल- १६ और २० मई २०२१ को आयोजित सत्र के लिए संसाधन व्यक्ति

श्री जियोग्री सनी - २१ मई २०२१ को आयोजित सत्र के लिए संसाधन व्यक्ति

वेबिनार का आयोजन एफडीडीआइ स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (FSFD) द्वारा किया गया था, जो पोर्टफोलियो विकास तकनीकों के लिए डिजाइन प्रक्रिया पर प्रकाश डालता है, जो प्रिंट और डिजिटल प्रारूप के लिए पोस्ट कोविड-19 युग में बदलती दुनिया की वास्तविकताओं द्वारा परिभाषित उत्पाद डिजाइन और रचनात्मक विचारों को व्यक्त करने, अनुवाद करने में अत्यधिक आवश्यक कौशल हैं।

जबकि श्री सौमिक मंडल, डिजाइन उद्यमी, आमोग और हाउतेपोटली, कोलकाता, जो १६.१०.२०२० से डीसी हस्तशिल्प, कपड़ा मंत्रालय के तहत एक पैनलबद्ध डिजाइनर हैं, सत्र के लिए संसाधन व्यक्ति थे, जो १६ और २० मई २०२१ को आयोजित किया गया था।

मिस्टर जियोग्री सनी, एनआईडी के पूर्व छात्र, सहायक प्रोफेसर, वीआईटी फैशन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी २१ मई २०२१ को आयोजित सत्र के लिए, रिसोर्स पर्सन थे।

एक प्रस्तुति देते समय, श्री सौमिक मंडल ने उन मुख्य बिंदुओं के बारे में मार्गदर्शन किया, जिन पर पोर्टफोलियो विकास के दौरान विचार किया जाना चाहिए और उद्योग विशिष्ट प्रभावशाली पोर्टफोलियो बनाने के लिए डिजाइन प्रक्रिया और जटिलताओं के महत्व के बारे में बताया।

मिस्टर जॉर्जी ने एक प्रस्तुति के माध्यम से समकालीन कार्यस्थल की प्रासंगिकता में रचनात्मक पहलू को बढ़ाने में प्रेरणा, मूड बोर्ड, स्टोरी बोर्ड आदि की भूमिका और महत्व को उपयुक्त रूप से रेखांकित और समझाया।

वेबिनार में विभिन्न कॉलेजों के छात्र संकाय, प्रोफेसर, और उद्योग विशेषज्ञता, जिसने प्रतिभागियों को बेहतर समझ हासिल करने और डिजाइन और पोर्टफोलियो विकास की कल्पना करने के लिए नए दृष्टिकोण विकसित करने में मदद की।

एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बानूर) परिसर में लाइव ई–कार्यशाला '३डी मॉडलिंग – विचारों को वास्तविकता में लाना' आयोजित किया

१७ मई २०२१ को एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बानूर) परिसर में एक लाइव ई-कार्यशाला, '३डी मॉडलिंग - विचारों को वास्तविकता में लाना' आयोजित किया गया।

ई-वर्कशॉप का आयोजन एफडीडीआई स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (एफएसएलजीएडी) द्वारा ऑनलाइन मोड के माध्यम से सुबह ११:०० बजे से दोपहर १२:३० बजे तक किया गया था, जिसके लिए श्री शिवम सोनी रिसोर्स पर्सन थे।

श्री शिवम सोनी एक उद्योग विशेषज्ञ मोशन और ३डी आर्टिस्ट डिजाइनर हैं, जो 'हैप्पीली अनमैरिड' ब्रांड की ३डी टीम का नेतृत्व कर रहे हैं। वह पर्ल एकेडमी ऑफ फैशन, नोएडा (२०१४-१८) से डिजाइन ग्रेजुएट हैं।

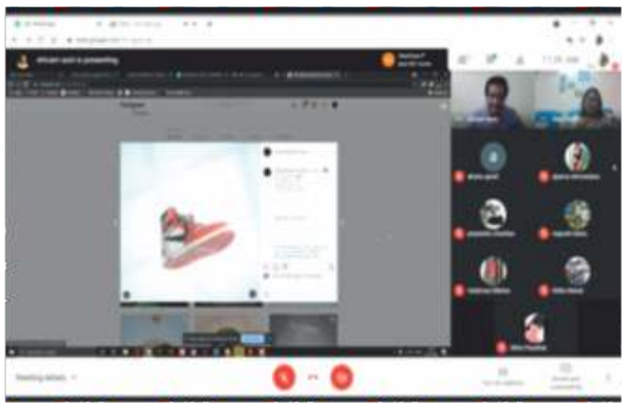

श्री शिवम सोनी ने एक प्रस्तुति देते हुए ३डी मॉडलिंग के बारे में बताया जो कलात्मक रचनात्मकता के लिए एक उत्कृष्ट आउटलेट है। यह 'डिजाइन थिंकिंग' की सुविधा देता है जो रचनात्मक प्रक्रियाओं का समर्थन करता है जिसके परिणामस्वरूप अभिव्यक्ति होती है जो केवल कला के टुकड़े बनाने से आगे बढ़ सकती है और वास्तविक दुनिया की समस्याओं का समाधान प्रदान कर सकती है।

ई-कार्यशाला ने प्रतिभागियों को सॉफ्टवेयर सीखने का अवसर प्रदान किया जो उन्हें अंतिम रूप से प्रस्तुत करने के लिए तैयार परियोजना तक सभी तरह से अपने डिजाइन का एक वायरफ्रेम बनाने की अनुमति देगा। पारंपरिक तरीकों का उपयोग करने के बजाय, यह तकनीक उन्हें सामग्री के साथ खेलने, खत्म करने, फिटिंग करने और जरूरत पड़ने पर महडल डिजाइन को पूरी तरह से बदलने की अनुमति देगी, जिससे उन्हें बहुत सारे संसाधन और समय की बचत होगी।

FICCI के सहयोग से एफडीडीआई द्वारा आयोजित 'पैमाने की अर्थव्यवस्थाओं को प्राप्त करने और फुटवियर क्षेत्र में वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने के लिए भारत में निर्माण पैमाने और क्षमता' पर वेबिनार आयोजित

एफडीडीआई ने फेडरेशन अहफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (FICCI) के सहयोग से १७ मई २०२१ को 'बिल्डिंग स्केल एंड कैपेसिटीज इन इंडिया टू अचीवमेंट ऑफ स्केल एंड एन्हांस ग्लोबल कॉम्पिटिटिवनेस इन फुटवियर सेक्टर' पर वेबिनार का आयोजन किया।

सुश्री निधि मणि त्रिपाठी, संयुक्त सचिव, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार और श्री प्रवीण मित्तल, वरिष्ठ निदेशक, फिक्की ने भारतीय फुटवियर क्षेत्र के विभिन्न विकास चरणों का पता लगाकर सत्र की शुरुआत की।

वेबिनार के अन्य पैनल सदस्यों में प्रतिष्ठित उद्योग और संस्थान की हस्तियां शामिल हैं, अर्थात् श्री तौसीफ मिर्जा, निदेशक, मिर्जा इंटरनेशनल लिमिटेड, श्री पूरन डावर, अध्यक्ष, एएफएमईसी, श्री वीरेंद्र अवल, प्रबंध निदेशक, मोविको शूज प्राइवेट लिमिटेड, श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस, प्रबंध निदेशक, एफडीडीआई और संचालन श्री मोहित भसीन, पार्टनर, केपीएमजी इंडिया द्वारा किया गया।

पैनलिस्टों ने भारत में फुटवियर उद्योग के विकास में बाधा डालने वाले प्रासंगिक मुद्दों को उठाया और क्षेत्रीय विकास के लिए प्रमुख निर्धारकों और समग्र रणनीतिक कार्य योजना की आवश्यकता पर चर्चा की।

एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बानूर) परिसर में 'द पिंक स्मोकी आइज' पर ई-कार्यशाला आयोजित

१५ मई २०२१ को एफडीडीआई) चंडीगढ़ में एक ई-वर्कशॉप द पिंक स्मोकी आइज का आयोजन किया गया

एफडीडीआई स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफएसएफडी) द्वारा मेक-अप और स्टाइलिंग मॉड्यूल के तहत कार्यशाला का आयोजन किया गया था, जिसके लिए मेकअप आर्टिस्ट सुश्री शैफाली अरोड़ा रिसोर्स पर्सन थीं।

एक प्रस्तुति के माध्यम से, सुश्री अरोड़ा ने उपयोगी कारण बताए कि क्यों फैशन उद्योग में मेकअप और स्टाइलिंग कौशल एक आवश्यकता बन गए हैं और एक सफल पेशेवर मेकअप कलाकार बनने के लिए किन कौशलों की आवश्यकता होती है।

उन्होंने अवसर, मौसम, त्वचा के प्रकार, दिन के समय-रात के समय आदि के अनुसार उन्नत मेकअप कौशल के लिए बुनियादी श्रृंगार को लागू करने की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि "मेकअप दुनिया भर के सभी लिंगों द्वारा उपयोग किया जाने वाला एक शक्तिशाली उपकरण है। उनका लुक और फील कॉन्फिडेंट।"

एक सफल मेक-अप कलाकार बनने के लिए आवश्यक तकनीकी इनपुट और गुण, गुण और कौशल प्रदान करने वाली ई-वर्कशॉप ने उन्हें अत्यधिक प्रतिस्पर्धी फैशन की दुनिया में अलग कर दिया, जिसमें कुल पचास प्रतिभागियों ने भाग लिया।

एफडीडीआई चेन्नई के छात्रों ने 'क्रिएटिव राइटिंग' और 'फेस एंड हेयर मेकओवर' प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता

एफडीडीआई, चेन्नई परिसर के छात्र ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी एन.आई.एफ.टी चेन्नई के वर्चुअल स्पेक्ट्रम-EPOCH ई.पी.ओ.सी.एच २०२१ में भाग लिया और 'क्रिएटिव राइटिंग' और 'फेस एंड हेयर मेकओवर प्रतियोगिता' में प्रथम पुरस्कार जीता।

दो छात्रों, सुश्री सुभाशिनी और सुश्री संयुक्ता, दोनों बी.देस फाउंडेशन बैच के हैं, ने निफ्ट वर्चुअल स्पेक्ट्रम में भाग लिया, जो १६ और १७ अप्रैल, २०२१ को आयोजित किया गया था।

सुश्री सुभाशिनी ने 'चेहरा और बाल बदलाव' प्रतियोगिता में भाग लिया जबकि संयुक्ता ने 'रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता' में भाग लिया।

यह सुश्री सुभाशिनी के लिए एक अवसर था कि उनके काम, उनकी स्टाइलिंग और मेकओवर में बुनियादी डिजाइन सिद्धांतों की अभिव्यक्ति के साथ, क्षेत्र में उस्तादों में से एक, श्रीमती रीना पाइवा, प्रसिद्ध ब्राइडल मेकअप आर्टिस्ट, द्वारा आंका गया था। उसने अपनी पूरी अवधारणा में पेशेवर स्पर्श के साथ संतुलित तरीके से पत्थरों, चमक और विभिन्न बनावट और रंग संयोजन जैसे अधिकतम माध्यम का उपयोग किया।

दूसरी ओर, एपोच- द एडवेंट ऑफ न्यू एरा विषय पर रचनात्मक लेखन की विजेता सुश्री संयुक्ता ने अपने जादू और मजाकिया शब्दों से पाठकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह उनके लेखन के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी जहां उन्होंने अपने माता-पिता और परिवार के सदस्यों के प्यार और स्नेह को व्यक्त किया। उन्होंने विकास के नाम पर सामाजिक पर्यावरण परिवर्तन का वर्णन किया और उनके काव्य शब्दों में उनकी अगली कड़ी अद्भुत थी।

एफडीडीआई हैदराबाद परिसर के छात्रों और संकायों ने वोलो विश्वविद्यालय, इथियोपिया द्वारा आयोजित 'IVCTLF-2021' के दौरान तीन शोध पत्र प्रस्तुत किए।

कपड़ा, चमड़ा और फैशन (IVCTLF)-२०२१ पर अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन के दौरान एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के छात्रों और संकायों द्वारा तीन शोध पत्र प्रस्तुत किए गए, जो ०६ और ०७ मई २०२१ को कोम्बोल्चा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलाजी, वोलो विश्वविद्यालय, इथियोपिया में आयोजित किया गया था।

वोलो विश्वविद्यालय इथियोपिया में दूसरी पीढ़ी के विश्वविद्यालयों के समूह के बीच निर्मित संघीय विश्वविद्यालयों में से एक है। अम्हारा राज्य के दक्षिण वोलो क्षेत्र में स्थित होने के कारण, विश्वविद्यालय को देश की प्रशिक्षित जनशक्ति की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए व्यापक क्षेत्रों में सीखने और अनुसंधान का केंद्र बनने के लिए डिजाइन किया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्देश्य चमड़ा और फैशन में चुनौतियों, अवसरों, नवाचारों और अनुप्रयोगों पर चर्चा करने के लिए एक मंच प्रदान करना था जो शिक्षा और उद्योग के लोगों को तेजी से उभरते क्षेत्र में विचारों, रोमांचक नवाचारों और चुनौतियों का आदान-प्रदान करने का अवसर प्रदान करेगा।

क्रमांक	द्वारा प्रस्तुत	दिनांक	विषय
1	सुश्री लक्ष्मी गायत्री पुदीपेड्डी, बी.डी.एस. की डिजाइन ऐच्छिक छात्रा। एफडीपी (2018-22)	06 मई 2021	बेहतर यांत्रिक गुणों के लिए मध्य कंसोल के रूप में 3D मुद्रित Gyroid जाली संरचना
2	श्री पोटुरी चंद्र शेखर और श्री वूराडी प्रशांत, बी.देस एफडीपी उत्पादन (2018-22) के वैकल्पिक छात्र	06 मई 2021	फुटवियर उद्योग में लीन मैन्युफैक्चरिंग का कार्यान्वयन
3	श्री लोगनाथन टी., जूनियर फैकल्टी (FSFDP)	07 मई 2021	कंपोस्ट पर्यावरण में बायोडिग्रेडेबिलिटी अध्ययन में सस्टेनेबल ग्लाइड शू का डिजाइन और विकास

दो दिवसीय आभासी सम्मेलन के दौरान, IVCTLF-2021 आयोजन समिति द्वारा दुनिया के विभिन्न हिस्सों से कुल १७ शोध पत्रों को चुना गया, जिसमें डॉ. मेलाकू तमेने, डॉ. हबतमु मोहम्मद, डॉ. असमेन अयालेव, और टीम सुकुमार, डॉ. अरुणा संपत, वोलो विश्वविद्यालय, इथियोपिया के सम्मेलन सूत्रधार थे।

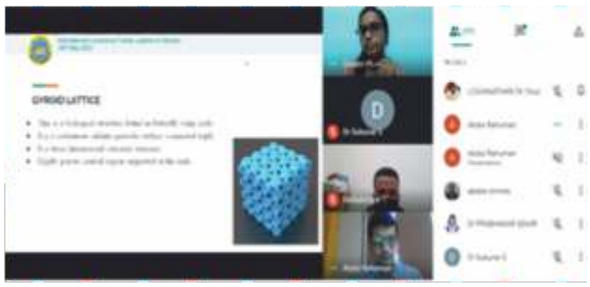

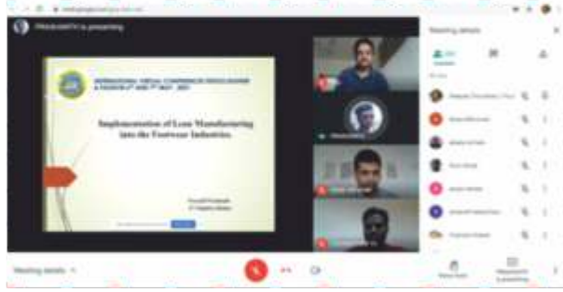

एफडीडीआई हैदराबाद परिसर के स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन के छात्र और संकाय ने अंतरराष्ट्रीय आभासी सम्मेलन के दौरान तीन शोध पत्र प्रस्तुत किए शोध पत्रों को रचनात्मक संभावनाओं के भविष्य के जूते डिजाइन, विकास और स्थिरता आदि के नए उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया गया था।

दर्शकों ने विशेषज्ञों को सुनने के लिए सभी का ध्यान रखा, मूल्यवान इनपुट शोध पत्रों की सभी ने सराहना की।

मणिपुर में एफडीडीआई द्वारा स्थापित प्रशिक्षण केंद्र में 'चमड़े के सामान बनाने पर प्रशिक्षण कार्यशाला' के सकारात्मक परिणाम मिले हैं

चमड़े के सामान बनाने पर प्रशिक्षण कार्यशाला' ने लंगेई गांव, नोंगपोक संजेबाम इंफाल, पूर्वी जिले में एफडीडीआई द्वारा स्थापित प्रशिक्षण केंद्र में सकारात्मक परिणाम मिला।

इस प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन १८ मार्च २०२१ को किया गया जहां श्री ए.एस.एस. दीवान, निदेशक केवीआईसी 'मुख्य अतिथि' थे।

४५ महिला और ०६ पुरुष सहित प्रशिक्षु प्रतिभागी कौना घास, बेंत, बांस आदि उत्पादों का उपयोग करके मूल्य वर्धित उत्पाद बनाने में सक्षम हैं।

प्रशिक्षण कार्यशाला ने उत्पाद विकास और उत्पाद निर्माण के संबंध में असंगठित फुटवियर निर्माताओं / कारीगरों और प्रवासी मजदूरों को तकनीकी रूप से मजबूत बनाने में मदद की और नई विकसित उत्पाद अवधारणाओं के साथ एकीकृत करने के लिए एक प्रोत्साहन प्रदान किया।

पारंपरिक शिल्प और चमड़े के संलयन का उपयोग करके नए उत्पाद विचारों को उत्पन्न करने के उद्देश्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से अप्रैल २०२१ के तीसरे सप्ताह में प्रशिक्षण कार्यशाला को सफलतापूर्वक पूरा किया गया था।

एएलटी इंटरनेशनल नॉलेज फेस्ट - वर्चुअल क्रॉसलिनक्स '२१ . के दौरान एफडीडीआई, हैदराबाद के छात्रों द्वारा जीता गया प्रथम पुरस्कार

एफडीडीआई, हैदराबाद की छात्रा सुश्री लक्ष्मी गायत्री पुदीपेड्डी ने एएलटी- इंटरनेशनल नॉलेज फेस्ट - वर्चुअल क्रॉसलिनक्स '२१ में भाग लिया, जिसमें से एक इवेंट कैटेगरी उत्पाद डिजाइनिंग प्रतियोगिता (पीडीसी) थी उसमे २० अप्रैल २०२१ को पहला स्थान हासिल किया।

चमड़ा और संबद्ध क्षेत्रों में नवाचार करने के जुनून के साथ युवा दिमाग को चार्ज करने के प्रयास में और संबद्ध क्षेत्रों, एसोसिएशन ऑफ लेदर टेक्नोलॉजिस्ट्स (एएलटी) के समर्थन से सेंटर लेदर रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीएलआरआई), चेन्नई ने उत्सव का आयोजन किया।

सुश्री लक्ष्मी, एक डिजाइन ऐच्छिक छात्रा, ने 'कलमक्लो' पर अपने काम को चित्रित किया और समझाया, जो पूरी तरह से पारंपरिक लोक कला रूपों में से एक, जो कि कलमकारी को समकालीन डिजाइन के साथ सम्मिश्रण करने पर केंद्रित था। इन विरासत विरासतों को लकड़ी के एकमात्र के साथ चमड़े से बने आधुनिक बूट घटकों पर जोर दिया गया है। यह संग्रह मूल रूप से सीजन ऑटम/ विंटर २०२१ के लिए बनाया गया है।

परीक्षण सुविधाओं की तलाश मे केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के अधिकारीयों ने एफडीडीआई, नोएडा के आईटीसी का दौरा किया।

परीक्षण सुविधाओं की तलाश में, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), मुख्यालय के दो वरिष्ठ अधिकारियों, श्री डी.एन. लाल, डीआईजी और श्री आर.के.झा, २आईसी ने १३ अप्रैल २०२१ को एफडीडीआई, नोएडा के अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र (आईटीसी) का दौरा किया।

एफडीडीआई का आईटीसी जो प्रासंगिक मानक विनिर्देशों के अनुसार कच्चे माल / घटकों और तैयार उत्पादों के परीक्षण के क्षेत्र में परीक्षण सुविधाएं प्रदान कर रहा है, निर्माताओं और निर्यातकों को उनके उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार करने में बहुत मदद करता है।

सामग्री और उत्पादों के परीक्षण, निर्यात निरीक्षण, रिवर्स इंजीनियरिंग और गुणवत्ता प्रमाणन में आईटीसी द्वारा उद्योग को प्रदान की जाने वाली उत्कृष्ट सेवाओं को देखकर अधिकारी बहुत प्रभावित हुए।

एफडीडीआई, भारत ने Centro Tecnologico de Calcado de (सेन्ट्रो तेच्नोलोगिको दी कालकादो दी) (CTCP), पुर्तगाल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

एफडीडीआई, भारत ने ०७ अप्रैल २०२१ को Centro Tecnologico de Calcado de (सन्तरो तेच्नोलोगिको दी कालकादो दी) (CTCP), पुर्तगाल के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं।

६ अप्रैल २०२१ को भारत-पुर्तगाल संयुक्त आर्थिक आयोग के ५वें सत्र के दौरान श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस, प्रबंध निदेशक, एफडीडीआई और भारत में पुर्तगाल के राजदूत, महामहिम कार्लोस परेरा मार्क्स द्वारा समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया।

श्री हरदीप सिंह पुरी, माननीय राज्य वाणिज्य और उद्योग मंत्री, भारत सरकार ने ५वें सत्र भारत-पुर्तगाल संयुक्त आर्थिक आयोग की सह-अध्यक्षता की, जहां सुश्री निधि मणि त्रिपाठी, संयुक्त सचिव (जेएस), वाणिज्य विभाग (डीओसी), वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय श्री राजेंद्र रत्नू, संयुक्त सचिव, उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT),डी पी आई आई टी, एमओसी एंड आई, श्री वाई पी ढेवाल, उप सचिव, डीओसी, एमओसी एंड आई भी उपस्थित थे और द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग के क्षेत्रों पर व्यापक चर्चा हुई ।

CTCP 1986 में स्थापित एक गैर-लाभकारी संगठन है जिसमें १९८१ में बनाई गई एक फुटवियर गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला शामिल है। CTCP को घटक और चमड़े के सामान निर्माता संघ (APICCAPS) और पुर्तगाली अर्थव्यवस्था मंत्रालय (IAPMEI और INETI) के दो सरकारी संस्थानों द्वारा बनाया गया था।

इसका मुख्य उद्देश्य फुटवियर क्षेत्र में कंपनियों को तकनीकी सहायता प्रदान करना, उनकी व्यावसायिक रणनीतियों से संबंधित विभिन्न गतिविधियों में उनका समर्थन करना है।

यह समझौता ज्ञापन दोनों संस्थानों के बीच परामर्श कार्य और क्षेत्रीय अध्ययन, औद्योगिक प्रशिक्षण, प्रयोगशाला परीक्षण संचालन, अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के साथ-साथ देश भर में क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के क्षेत्र में सहयोग और साझेदारी में सहायता करेगा।

31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए फुटवियर डिजाइन और विकास संस्थान के खातों पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की अलग लेखापरीक्षा रिपोर्ट

हमने नियंत्रक एवं लेखा परीक्षक की धारा 19(2) के तहत 31 मार्च 2022 तक फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एफडीडीआई) की संलग्न बैलेंस शीट और उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाते और रसीद और भुगतान खाते का ऑडिट किया है। सामान्य (कर्तव्य, शक्तियां और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971, फुटवियर डिजाइन और विकास संस्थान अधिनियम, 2017 की धारा 23(2) के साथ पढ़ा जाता है। पूरे भारत में एफडीडीआई के कुल 12 परिसर हैं। सभी 12 परिसर (पटना, कोलकाता, जोधपुर, अंकलेश्वर, गुना, छिंदवाड़ा, नोएडा, फुर्सतगंज, रोहतक, चंडीगढ़, हैदराबाद और चेन्नई) अपने स्वयं के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण तैयार करते हैं जिन्हें एफडीडीआई नोएडा द्वारा समेकित किया जाता है। हमारी जिम्मेदारी हमारे ऑडिट के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर एक राय व्यक्त करना है।

2. यह अलग लेखा परीक्षण रिपोर्ट भारतीय नियंत्रक और महालेखापरीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियों को संकलन, सर्वोत्तम लेखा प्रथाओं के साथ संगठन करने के संबंध में ही संबंधित करती है। लेखा स्टैंडर्ड्स और प्रकटन नियमों के साथ संघात करने के लिए। यदि हो, तो वित्तीय लेनदेन पर लेखा परीक्षण के आलेखों पर विचारों की सूचना के माध्यम से संबंधित नियमों, नियमों और विनियमों (उचितता और नियमितता) के संतुलन के साथ, जुआई रिपोर्ट / सीएजी के लेखा परीक्षण रिपोर्ट के माध्यम से अभिलेख रिपोर्ट्स के माध्यम से रिपोर्ट की जाती हैं।

3. हमने अपने लेखा परीक्षण को भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा परीक्षण मानकों के अनुसार आयोजित किया है। इन मानकों के अनुसार, हमें यही आवश्यकता होती है कि हम लेखा परीक्षण की योजना बनाएं और उसे करें ताकि हम तय कर सकें कि वित्तीय विवरण मान्यता से निःशुल्क हैं। एक लेखा परीक्षण में, वित्तीय विवरण में प्रदर्शित राशियों और प्रकटन के समर्थन के लिए प्रमाण को टेस्ट के आधार पर जांचा जाता है। लेखा परीक्षण में, प्रबंधन द्वारा उपयोग की जाने वाली लेखा सिद्धांतों और महत्वपूर्ण अनुमानों का मूल्यांकन किया जाता है, साथ ही वित्तीय विवरणों के कुल प्रस्तुति का मूल्यांकन किया जाता है। हम मानते हैं कि हमारा लेखा परीक्षण हमारे मत के लिए एक यथार्थ मूल प्रदान करता है।

4. हमारे ऑडिट के आधार पर, हम रिपोर्ट करते हैं कि:

i) हमने अपने लेखा परीक्षण के उद्देश्यों के लिए आवश्यक मान्यता और ज्ञान के अनुसार सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं।

ii) इस रिपोर्ट द्वारा परिचालित किए गए वित्तीय विवरण के अनुसार बैलेंस शीट और आय और व्यय खाता और प्राप्ति और भुगतान खाता सरकार द्वारा मंजूरित प्रारूप में तैयार किए गए हैं।

iii) हमारे मतानुसार, फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एफडीडीआई), नोएडा द्वारा उपरोक्त पुस्तकों की जांच के आधार पर इतनी सुविधा के साथ उचित लेखा और अन्य संबंधित रिकॉर्ड बनाए गए हैं।

iv) हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि:

ए. बैलेंस शीट

ए.1 देनदारियां

ए.1.1 वर्तमान देनदारियां और प्रावधान (अनुसूची 7)

अन्य वर्तमान देनदारियाँ: 17.86 करोड़

अन्य: 6.22 करोड़

1. उपरोक्त में 1.43 करोड़ रुपये की रकम शामिल नहीं है, जो की पीएफ ट्रस्ट में बंद रखी गई धन आपूर्ति की मेरीट को बाधित होने के कारण हुए नुकसान (1.35 करोड़ रुपये) और ब्याज (0.08 करोड़ रुपये) के बारे में है।

एफडीडीआई को 24 नवंबर 2021 को ईपीएफओ द्वारा मांग नोटिस प्राप्त हुआ, जिसमें यह मांग की गई कि एफडीडीआई द्वारा PF ट्रस्ट को म्थ्व्थ् को सौंपने के बाद विलंबित धन के लिए धारा 14बी और धारा 7क्यू के तहत 1.35 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति और 1.10 करोड़ रुपये की ब्याज की भुगतान की जाए। एफडीडीआई ने अपनी गणनाओं के अनुसार 1.02 करोड़ रुपये की राशि के रूप में ब्याज का भुगतान किया, जो कि ईपीएफओ द्वारा लगाए गए 1.10 करोड़ रुपये की राशि से कम है। इसके अलावा, एफडीडीआई ने (दिसंबर 2021) ईपीएफओ से 1.35 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति को माफ करने का अनुरोध किया। हालांकि, यह अनुरोध ईपीएफओ द्वारा ठुकराया गया (फरवरी 2022) और बताया गया कि क्षतिपूर्ति को माफ करने की शक्ति ईपीएफओ के पास नहीं है, लेकिन इसे केंद्र सरकारी औद्योगिक न्यायालय (सीजीआईटी) के सामने चुनौती दी जा सकती है। एफडीडीआई ने न तो ईपीएफओ को 1.35 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति और 0.08 करोड़ रुपये के शेष ब्याज की भुगतान किया.

इससे मौजूदा देय राशि और बाध्यताएं और अन्य प्रशासनिक खर्च को 1.43 करोड़ रुपये से कम बताने और उद्धारण को एक समान राशि से अधिभार करने का परिणाम हुआ।

ए.1.2 निर्धारित/ बंदोबस्ती निधि (अनुसूची 3)

पूंजीगत अनुदान: 603.35 करोड़

उपरोक्त राज्य सरकार से संस्थान को प्राप्त किए गए पूंजीय अनुदान का अंतिम शेष राशि को दर्शाने वाला है, जिसमें से 532.53 करोड़ रुपये (603.35 करोड़ रुपये में से 70.82 करोड़ रुपये अप्रयुक्त अनुदान) का उपयोग संपत्ति के सृजन के लिए किया गया है। हालांकि, 532.83 करोड़ रुपये की राशि को सरकारी अनुदान से बनाई गई स्थिर संपत्तियों के नेट ब्लॉक के रूप में दर्शाया गया है (अनुसूची 8बी)। इस प्रकार, 31 मार्च 2022 तक पूंजीकृत सरकारी अनुदान और सरकारी अनुदानों से बनाई गई संपत्तियों के बीच 0.30 करोड़ का अंतर मौजूद है, जिसे समाधान की आवश्यकता है।

पिछले वर्षों, जैसे 2018–19, 2019–20 और 2020–21 के दौरान आश्वासन देने के बावजूद, संस्थान ने अभी तक पूंजीकृत सरकारी अनुदान और सरकारी अनुदानों से बनाई गई संपत्तियों के बीच का अंतर समाधान नहीं किया है।

ए.2 संपत्ति

ए.2.1 सरकारी अनुदान से अचल संपत्तियां (अनुसूची 8बी)

ए.2.1.1 पूंजीगत कार्य प्रगति पर: 46.86 करोड़

1. ऊपर में 46.09 करोड़ रुपये की रकम शामिल है जो कि एफडीडीआई के 6 कैंपसों, जैसे चेन्नई, कोलकाता, पटना, जोधपुर, रोहतक और हैदराबाद में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस परियोजना के तहत इमारत की निर्माण लागत (0.98 करोड़ के मापदंड शामिल हैं, जिनका PMC शुल्क भुगतान किया गया) है। इसके लिए इमारत का निर्माण कार्य जेपीजी इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड को 14 अक्टूबर 2019 को सौंपा गया था और कार्य 31 मार्च 2022 से पहले पूरा हो गया था।

क्योंकि कार्य पूरा हो चुका था और अंतिम बिल 31 मार्च 2022 से पहले जमा किए गए थे, तो कार्य की कुल लागत 46.46 करोड़ रुपये (45.11 करोड़ रुपये और इस पर 3 प्रतिशत के मापदंड के अनुसार PMC शुल्क यानी 1.35 करोड़ रुपये) को पूंजीकृत करना चाहिए था और इमारत में जोड़ा जाना चाहिए था।

गैर–पूंजीकरण से निर्माणित संपत्ति (इमारत–अनुसूची 88) 44.14 करोड़ रुपये (46.46 करोड़ रुपये पर 5 प्रतिशत के दर पर 2.32 करोड़ की न्यूनतम मूल्यह्रास के साथ) को घटाने, वर्तमान देयताओं

2. ऊपर में 1.64 करोड़ रुपये की रकम शामिल नहीं है जो 31 मार्च 2022 से पहले केंद्रों के उत्कृष्टता कार्यों में एयर कंडीशनिंग कार्यों के लिए ठेकेदार द्वारा किये गए काम की मूल्य है। एफडीडीआई ने 3 जनवरी 2022 को पटना, हैदराबाद, कोलकाता, चेन्नई, जोधपुर और रोहतक के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में 'एयर कंडीशनिंग और संबद्ध कार्यों की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और प्राथमिकता देने' के लिए जेपीजी इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड को 2.17 करोड़ रुपये की लागत पर ठेका प्रदान किया था। इसके अनुसार, जेपीजी इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड ने कुछ काम के पूर्ण होने के बाद, 28 मार्च 2022 को एफडीडीआई को 1.64 करोड़ रुपये की पहली चलने वाले खाता बिल जमा किया। क्योंकि 31 मार्च 2022 से पहले 1.64 करोड़ की मान्यता प्राप्त कार्य कंडीशनिंग ठेकेदार द्वारा किये गए थे, इसलिए उसे साल में कैपिटल वर्क इन प्रोग्रैस में जोड़ा जाना चाहिए था और इसकी दायित्व भी पहचानी जानी चाहिए थी।

इसे शामिल न करने के परिणाम स्वरूप प्रगति में पूंजीगत कार्य और वर्तमान देनदारियों और प्रावधानों को 1. 64 करोड़ से कम बताया गया है।

3. ऊपर में 0.97 करोड़ रुपये की रकम शामिल है जो कि अडोबे क्रिएटिव क्लाउड और फैशन फोरकास्ट की वार्षिक या सालाना सदस्यता की खरीद पर आय हस्तांतरण का हिस्सा है।

वर्ष 2021–22 के दौरान, एफडीडीआई ने कंप्यूटर नेटवर्किंग सेंटर (CNC) परियोजना के लिए प्राप्त अनुदान से 0.05 करोड़ के लिए एफडीडीआई कैंपस के लिए शिक्षा लाइसेंस की वार्षिक/सालाना सदस्यता की खरीद पर 0.68 करोड़, अडोबे क्रिएटिव क्लाउड के लिए 0.68 करोड़ और फैशन फोरकास्ट की वार्षिक/सालाना सदस्यता के लिए 0.24 करोड़ की आय की खर्च किया। हालांकि, CNC परियोजना के लिए अनुदान से इसे समायोजित करने की बजाय, एफडीडीआई ने उपरोक्त 0.97 करोड़ रुपये की आय का खर्च को अनुसूची 8B के तहत कैपिटल वर्क इन प्रोग्रैस में शामिल किया है।

इसके कारण कैपिटल वर्क इन प्रोग्रैस की 0.97 करोड़ रुपये की अतिरिक्त घोषणा हुई है और उसी मात्रा में अतिरिक्त अनुदान की घोषणा हुई है।

ए.2.1 सरकारी अनुदान से अचल संपत्तियां (अनुसूची 8बी)

ए.2.1.2 प्लांट और मशीनरी (मूल्यह्रास) : यदि 49.90 करोड़

ऊपर कोई भी उल्लिखित नहीं है कि 13.29 करोड़ की नियमित उपयोग हेतु रखी गई स्थिर संपत्ति पर 2. 66 करोड़ की अपघटना शामिल है, जिनका वित्तीय वर्ष 2019–20 में 180 दिनों से अधिक का उपयोग हुआ था। थ्क्क् ने 180 दिनों से कम के उपयोग की अवधि को ध्यान में रखते हुए 20 प्रतिशत दर पर नष्टी का आरोपण किया था बजाय 40 प्रतिशत दर पर। इसके कारण स्थिर संपत्ति और सरकारी अनुदान की 2.66 करोड़ की अतिरिक्त घोषणा हुई है।

यह टिप्पणी 2019–20 और 2020–21 के लिए विशिष्ट लेखा परीक्षा रिपोर्टों में जारी की गई थी, लेकिन 2019–20 के वित्तीय वर्ष के लिए नष्टी का आरोपण करने के संबंध में कोई पालन नहीं की गई है।

ए.2.2 स्वयं की निधि से अचल संपत्तियां (अनुसूची एसए)

ए.2.2.1 बिल्डिंग: यदि 171.16 लाख

ऊपर कोई भी उल्लिखित है कि वर्ष के दौरान 40.58 लाख रुपये (45.09 लाख में से 4.51 लाख रुपये की 10 प्रतिशत दर पर नष्टी) को पूंजीकृत किया गया है, जो कि सलाहकार एम/सी कॉन्सेप्ट प्लानर इंटरनेशनल द्वारा 10 अक्टूबर 2018 को पूर्ण की गई बानूर परियोजना, पंजाब के लिए व्यय की लागत है।

जैसे ही ऊपर का काम 10 अक्टूबर 2018 को पूरा हो गया था, उसे वित्तीय वर्ष 2018–19 में ही पूंजीकृत करना चाहिए था। हालांकि, फुटवियर डिजाइन एवं डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एफडीडीआई) ने ऊपर का काम वर्तमान वित्तीय वर्ष 2021–22 में ही पूंजीकृत किया। इसके अलावा, अक्टूबर 2018 से मार्च 2021 तक के लिए नष्टी, जो कि 11.27 लाख रुपये है (2018–19: 2.25 लाख, 2019–20: 4.51 लाख और 2020–21: 4. 51 लाख), भी फुटवियर डिजाइन एवं डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एफडीडीआई) ने प्रदान नहीं की है।

इसके परिणामस्वरूप पिछले वर्षों (2018–19 से 2020–21) के लिए मूल्यह्रास को कम बताया गया है और कॉर्पस फंड को 11.27 लाख से अधिक बताया गया है।

ए.2.2 स्वयं की निधि से अचल संपत्तियां (अनुसूची एसए)

ए.2.2.2 संयंत्र मशीनरी और उपकरण: 296.04 लाख

उपरोक्त में 1.56 लाख की राशि शामिल नहीं है (180 दिनों से कम के लिए 4.12 लाख पर 15 प्रतिशत की दर से 34.12 लाख घटाकर 2.56 लाख का मूल्यह्रास) जो कि नोएडा परिसर में एयर कंडीशनिंग कार्यों की लागत है जो 31.03.2022 से पहले पूरा हो गया था।

फुटवियर डिजाइन एवं डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एफडीडीआई), नोएडा ने 14 अक्टूबर 2021 को जेपीजी इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड को नोएडा कैंपस में वातानुकूलन कार्यों को सौंपा था, जिसकी निर्धारित पूर्णता तिथि 14 मार्च 2022 थी। जेपीजी इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पूरी की जाने वाली कार्य जिनकी मान्यता प्राप्त तिथि से पहले ही हो गई थी। इस प्रकार, 129.81 लाख रुपये की पूरी राशि को फुटवियर डिजाइन एवं डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एफडीडीआई) द्वारा पूंजीकृत किया जाना चाहिए था। हालांकि, फुटवियर डिजाइन एवं डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एफडीडीआई) ने केवल 95.69 लाख रुपये (जिसमें से 54.69 लाख रुपये अनुसूची 8A के तहत और 41 लाख रुपये अनुसूची 8B के तहत) पूंजीकृत किया है।

इसके परिणामस्वरूप मूल्यह्रास में 2.56 लाख की कमी (180 दिनों से कम के लिए 34.12 अभावों पर 15 प्रतिशत की दर से) और उसी सीमा तक वर्ष के दौरान कॉर्पस/पूंजी निधि में किए गए अधिशेष को अधिक बताया गया है।

सी.2 आकस्मिक देयताएं और खाते पर नोट्स (अनुसूची 25)

ऊपर किसी भी राशि को शामिल नहीं किया गया है जो कि 5.37 करोड़ रुपये की पूंजीकरण राशि है, जिसमें जेपीजी इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड को द्वारा भारत भर में केंद्रों में वातानुकूलन कार्यों के लिए 0.53 करोड़ रुपये का बकाया भुगतान और प्लश इंटीरियर्स प्राइवेट लिमिटेड को फर्नीचर/इंटीरियर और फर्निशिंग कार्यों के संबंध में 4.84 करोड़ रुपये की भुगतान शामिल है।

एफडीडीआई ने भारत भर में केंद्रों में वातानुकूलन कार्यों के लिए जेपीजी इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ 2.17 करोड़ के एक ठेके में हस्तांतरण किया, जिसमें ठेकेदार ने आंशिक कार्य पूरा कर दिया और 28 मार्च 2022 को एफडीडीआई को 1.64 करोड़ का बिल सबमिट किया। इसी तरह, केंद्रों में फर्नीचर/इंटीरियर और फर्निशिंग कार्यों के लिए प्लश इंटीरियर्स प्राइवेट लिमिटेड को 28 मार्च 2022 को 4.84 करोड़ के लिए एक ठेका प्रदान किया गया था जिसे कार्यान्वित करने के लिए शेष था।

इसलिए, 5.37 करोड़ (0.53 करोड़ प्लस 4.84 करोड़) के "पूंजीगत वेरवा" के रूप में प्रदर्शित किए जाने चाहिए, जो पूंजीगत खाते पर कार्यान्वित करने के लिए बची हुई राशि का हिस्सा होती है।

डी. अन्य टिप्पणियाँ

संस्थान ने 2017 के एफडीडीआई अधिनियम की धारा 21(1) की मांग के अनुसार एक निधि स्थापित नहीं की है, जहां सभी धनराशि केंद्र सरकार द्वारा प्रदान की गई हो, संस्थान द्वारा प्राप्त सभी शुल्क और अन्य शुल्क, संस्थान द्वारा ऋण, अनुदान, उपहार, दान, अनुदान, वास्तविक संपत्ति, विकल्प या स्थानांतरण के माध्यम से प्राप्त सभी धनराशिय और संस्थान द्वारा किसी अन्य तरीके से या किसी अन्य स्रोत से प्राप्त सभी धनराशि का लेखा खाता होना चाहिए।

वर्ष 2017–18, 2018–19, 2019–20 और 2020–21 के लिए अलग–अलग ऑडिट रिपोर्ट में बताए जाने के बावजूद, संस्थान ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है।

इ. सहायता अनुदान

एफडीडीआई द्वारा प्रमाणित किया गया है कि 1 अप्रैल 2021 को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और कंप्यूटर नेटवर्किंग सेंटर परियोजनाओं के तहत 56.90 करोड़ की कैपिटल ग्रांट की अपयुक्त शेष राशि (0.63 करोड़ रिटेंशन धन सहित) थी। भारत सरकार ने वित्त वर्ष 2021–22 में एफडीडीआई को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस परियोजनाओं के लिए 45.64 करोड़ का ग्रांट प्रदान किया। कुल ग्रांट के बाहर, एफडीडीआइ ने 30.57 करोड़ का उपयोग किया। इसके अलावा, एफडीडीआई ने 2021–22 के दौरान 1.81 करोड़ का ब्याज कमाया और 2.96 करोड़ का ब्याज वापस किया। 31 मार्च 2022 को समाप्ति शेष राशि 78.09 करोड़ (निर्माणाधीन कर्मचारियों को देने के लिए भुगतान के अधिक शेष राशि/लिक्विडेटेड डैमेज/रिटेंशन राशि/खुद का निधि के खाते की 7.27 करोड़ सहित) थी।

इसके अलावा देखा गया कि एफडीडीआई ने भारतीय फूटवियर, चमड़े और सहायक वस्त्र विकास कार्यक्रम (आईएफएलएडीपी) के तहत सेंटर फॉर एक्सीलेंस के लिए 23.11 करोड़ का कैपिटल ग्रांट उपयोग किया।

हालांकि, एफडीडीआई ने वार्षिक रूप में 23.11 करोड़ के वास्तविक उपयोग के खिलाफ 45.64 करोड़ के गलत उपयोग प्रमाणपत्र प्रस्तुत किए।

एफ. इस स्वतंत्र लेखापरीक्षण रिपोर्ट में शामिल नहीं किए गए दोषों को ठीक करने के लिए, इनस्टीट्यूट के प्रबंधन को एकल तत्व द्वारा जारी प्रबंधन पत्र के माध्यम से सूचित किया गया है।

v) पिछले अनुच्छेदों में की गई टिप्पणियों के अधीन, हम यह रिपोर्ट देते हैं कि इस रिपोर्ट द्वारा संबंधित वित्तीय विवरण और आय और व्यय खाता हितों के साथ लेखाओं के साथ संगत हैं।

vi) हमारी राय और हमारी सबसे अच्छी जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उक्त वित्तीय विवरण लेखानी नीतियों और खातों पर टिप्पणियों के साथ पढ़े गए हैं, और ऊपर उल्लिखित महत्वपूर्ण मुद्दों और अन्य प्राधिकरणों में उल्लिखित मुद्दों के अधीन, यह भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार एक सच्ची और उचित प्रतीति प्रदान करते हैं।

(ए) 31 मार्च 2022 को एफडीडीआई की स्थिति से संबंधित यद्यपि यह लेखा–जोखा अनुपात है, और

(बी) जहां तक यह उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष के आय और व्यय खाते से संबंधित है।

भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक के पक्ष से।

(एस अह्लादिनी पांडा)

स्थान: नई दिल्ली

तारीख: 20 JUN 2023

प्रधान लेखापरीक्षा निदेशक

उद्योग और कॉर्पोरेट मामले

अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट का अनुलग्नक

1 आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

आंतरिक लेखा परीक्षण को किराए पर रखे चार्टर्ड एकाउंटेंट्स फर्म द्वारा किया जाता है और यह सभी कैंपस के लिए वित्तीय वर्ष 2021–22 तक पूरा हो गया है, केवल कोलकाता कैंपस के मामले में नहीं, जिसमें 01.04.2021 से 30.09.2021 तक की अवधि का समावेश है।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

जहां तक वित्तीय मामलों का संबंध है, आंतरिक नियंत्रण प्रणाली अपर्याप्त है और एफडीडीआई की गतिविधियों के आकार और प्रकृति के अनुरूप नहीं है। सरकारी अनुदान से सृजित आय, अनुदान, अचल संपत्तियों के लेखांकन की प्रक्रिया और उस पर मूल्यह्रास में सुधार की आवश्यकता है।

3. अचल संपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

सभी कैंपसों के लिए निदेशनालय द्वारा स्थायी संपत्ति की शारीरिक सत्यापन पूरा किया गया है, केवल जोधपुर कैंपस को छोड़कर। शारीरिक सत्यापन के दौरान कोई असंगति नहीं मिली।

4. सूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

प्रबंधन द्वारा सभी परिसरों के लिए सूची का भौतिक सत्यापन पूरा कर लिया गया है और कोई विसंगति नहीं पाई गई है।

5. सांविधिक देय राशियों के भुगतान में नियमितता

जैसा कि इस रिपोर्ट की टिप्पणी संख्या A.1.1(1) में बताया गया है, संस्थान पीएफ बकाया को छोड़कर, वर्ष 2021–22 के दौरान वैधानिक बकाया के भुगतान में नियमित था।

निदेशक (एएमजी–I)

फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट
31 मार्च, 2022 तक समेकित बैलेंस शीट तुलन-पत्र

(रकम रुपये में)

विवरण	अनुसूची	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
कोष विवरण पूंजीभंडार एंव उत्तरादायित्व			
कोष/पूंजी भंडार	1	533,139,911	491,630,488
भंडार और अधिशेष राशि	2	-	-
निर्धारित/अक्षय निधि	3	6,307,958,456	6,475,709,811
प्रतिभूत ऋण और कर्ज	4	-	-
अप्रतिभूत ऋण और कर्ज	5	-	-
स्थगित ऋण देयताएँ	6	-	-
वर्तमान देयताएँ और प्रावधान	7	519,637,148	435,957,520
कुल		**7,360,735,515**	**7,403,297,819**
सम्पत्ति			
अचल सम्पत्तियाँ	8	5,558,916,663	5,892,364,658
निवेश-निर्धारित/अक्षय निधि के द्वारा	9	-	-
निवेश-अन्य	10	474,581,161	469,229,263
वर्तमान सम्पत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	11	1,327,237,690	1,041,703,898
विविध व्यय (हद तक लिखित या समायोजित नहीं)			
कुल		**7,360,735,515**	**7,403,297,819**

सार्थक लेखांकन नीतियाँ	24
आकस्मिक देयताएँ और खातों पर नोट	25

द्वारा फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

अरुण कुमार सिन्हा, भा.प्र.से.
प्रबंध निदेशक

स्थान : नोएडा
दिनांक : 07-07-2022

अविक पत्ररनवीश

अविक पत्ररनवीश
वरिष्ठ प्रबंधक (लेखा एवं वित्त)

फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित आय तथा व्यय खाता

(रकम रुपये में)

विवरण	अनुसूची	31.03.2022	31.03.2021
आय			
बिक्री/सेवा के आय	12	50,006,913	61,792,285
अनुदान/सब्सिडी	13	641,438,499	739,961,697
शुल्क/सदस्यता	14	472,293,181	435,055,878
निवेश के द्वारा आय (निवेश पर आय निश्चित/सहायतार्थ/धनराशि धन में हस्तांतरित)	15	6,474,968	6,022,130
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	16	48,000	-
अर्जित ब्याज	17	36,393,352	36,016,512
अन्य आय	18	11,421,211	10,649,728
स्टॉक में वृद्धि/(कमी)	19	447,853	(103,348)
कुल (क)		**1,218,523,977**	**1,289,394,882**
व्यय			
स्थापना व्यय	20	237,862,490	244,110,992
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	287,362,874	150,422,979
अनुदान, सब्सिडी इत्यादि पर व्यय	22	641,224,958	739,961,697
ब्याज	23	-	-
अवमूल्यन	8	10,368,393	8,261,802
कुल (ख)		**1,176,818,715**	**1,142,757,469**
पूर्व अवधि के व्यय		**195,842**	-
शेष राशि व्यय से अधिक आय (क-ख)		**41,509,419**	146,637,413
विशेष रिर्जव में स्थानांतरण (प्रत्येक को निर्दिष्ट करें) स्थानांतरण से/सामान्य रिर्जव द्वारा		-	-
अधिशेष होने के नाते शेष राशि (धारा) कॉपेस/पूंजीगत भंडार		**41,509,419**	**146,637,413**
सार्थक लेखांकन नीतियाँ	24		
आकस्मिक देयताएँ और खातों पर नोट	25		

द्वारा फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

अरुण कुमार सिन्हा, भा.प्र.से.
प्रबंध निदेशक

अविक पत्ररनवीश
वरिष्ठ प्रबंधक (लेखा एवं वित्त)

स्थान : नोएडा
दिनांक : 07-07-2022

फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट
31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियाँ तथा भुगतानों का समेकित विवरण

(रकम रुपये में)

प्राप्तियाँ	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक	भुगतान	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
I) ओपनिंग बैलेंस			**I) व्यय**		
क. हाथ में नकद	157,727	254,395	क. स्थापना व्यय (अनुसूची 20 के अनुसार)	141,913,245	149,515,747
ख. बैंक में राशि			ख. स्थापना व्यय (अनुसूची 21 के अनुसार)	116,836,398	112,830,273
i. चालू खातों में	54,784,550	40,953,953	**II) विभिन्न परियोजनाओं के लिए किए गए धनराशि का भुगतान**		
ii. जमा/बचत खातों में	784,869,818	1,234,672,674	क. पीएलएसडीपी	1,141,998	533,006,305
II) प्राप्त अनुदान			ख. आईडीएलएस	698,469,742	435,158,605
क. भारत सरकार से			ग. अन्य	1,078,077	190,548,075
क. पूंजी व्यय	456,365,018	295,430,982	**III) निवेश और जमा किए गए**		
ख. पीएलएसडीपी	1,141,998	241,799,018	क. निर्धारित/सहायतार्थ निधि के लिए		
ग. आईडीएलएस	698,469,798	428,502,156	ख. खुद के फंड से (निवेश-अन्य)	417,700,000	100,000,000
घ. अन्य	60,562,975	2,245,000	ग. ग्रेच्युटी फंड में निवेश	5,088,021	13,070,230
ख. राज्य सरकार से			**IV) अचल संपत्तियों और पूंजी कार्यप्रगति पर व्यय**		
ग. अन्य स्रोतों से (विवरण) (पूंजी और राजस्व व्यय के लिए अनुदान को अलग से दिखाया गया है।)			क. अचल संपत्तियों की खरीद	6,123,595	5,331,770
III) निवेश से आय			ख. प्रगति में पूंजी कार्य	-	-
क. निर्धारित/सहायतार्थ निधि	-	20,959,565	**V) अधिशेष धन और ऋण वापसी**		
ख. स्वयं के निधि (अन्य निवेश)	-	-	क. भारत सरकार को	29,624,114	169,820,765
IV) प्राप्त ब्याज			ख. राज्य सरकार को		
क. बैंक जमा पर	12,414,200	9,854,583	ग. अन्य प्रदान धनराशि		
ख. ऋण, अग्रिम आदि	6,210	12,997,230	**VI) वित्त प्रभार (ब्याज)**		
V) अन्य आय (निर्दिष्ट)			**VII) अन्य भुगतान (उल्लेखित)**		
क. छात्र शुल्क	379,755,233	355,152,587	क. शाखा के साथ लेन-देन	48,786,437	41,633,118
ख. अन्य आय	5,055,804	6,903,521	ख. अन्य भुगतान	626,840,500	253,939,253
VI) उधार राशि			**VIII) बंद शेष राशि**		
VII) कोई अन्य रशीद (विवरण दें)			क. हाथ में नगद	93,527	157,727
क. वर्ष के दौरान परिपक्व निवेश	398,093,001	11,616,845	ख. बैंक में राशि		
ख. अन्य प्राप्तियाँ	257,903,162	101,199,842	i. चालू खातों में	33,197,397	55,027,534
ग. शाखा से लेन-देन	65,601,037	81,961,942	ii. जमा/बचत खातों में	1,049,564,071	785,184,770
घ. छात्र-शुल्क	1,276,592	719,880			
कुल	**3,176,457,122**	**2,845,224,173**	**कुल**	**3,176,457,122**	**2,845,224,173**

द्वारा फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

अरुण कुमार सिन्हा, भा.प्र.से.
प्रबंध निदेशक

अविक पत्ररत्नवीश
अविक पत्ररत्नवीश
वरिष्ठ प्रबंधक (लेखा एवं वित्त)

स्थान : नोएडा
दिनांक : 07-07-2022

फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

31 मार्च, 2022 को तुलन-पत्र का भाग तैयार करने वाली अनुसूचियाँ

(रकम रुपये में)

अनुसूची 1– संचित/पूंजीनिधि	31 मार्च, 2022 तक		31 मार्च, 2021 तक	
वर्ष की शुरुआत में शेष राशि	491,630,492		342,702,920	
जोड़ : पूंजी निधि की ओर से योगदान/संचित फंड	-		-	
जोड़ : सामान्य भंडार से स्थानांतरण			-	
जोड़ : (कटौती) शुद्ध आय (व्यय) आय और व्यय खाते से हस्तांतरित	41,509,419	533,139,911	148,927,567	491,630,487
वर्ष के अन्त में शेष		**533,139,911**	**-**	**491,630,488**

अनुसूची 2– भंडार और अधिशेष	31 मार्च, 2022 तक		31 मार्च, 2021 तक	
1. भंडार पूंजी				
पिछले खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान वृद्धि				
कम : वर्ष के दौरान कटौती	-	-		-
2. पुनर्मूल्यांकन भंडार				
पिछले खाते के अनुसार	-			
वर्ष के दौरान वृद्धि	-			
कम : वर्ष के दौरान कटौती	-	-		-
3. विशेष भंडार				
पिछले खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान वृद्धि				
कम : वर्ष के दौरान कटौती		-		-
4. सामान्य भंडार				
पिछले खाते के अनुसार	-			
वर्ष के दौरान वृद्धि	-			
जोड़ : सामान्य भंडार में हस्तांतरित			-	
कम : कोष/पूंजी भंडार में स्थानांतरण	-			
कम : वर्ष के दौरान कटौती	-	-	-	-
कुल		**-**		**-**

फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

वित्तीय वर्ष 2021–22

अनुसूची 3–निर्धारित/बंदोबस्ती निधि	निधिवार ब्यौरा				कुल	
	पूंजी अनुदान	पीएफ़एसडीपी	आईडीएफ़एस	अन्य	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
क) निधि का प्रारंभिक शेष	**6,208,593,808**	**303,452,919**	**157**	**(31,367,068)**	6,475,709,816	**7,291,196,824**
ख) निधि में वृद्धि					-	
i. दान/अनुदान	**456,365,818**	**-**	**698,469,742**		1,154,834,760	**810,757,979**
ii. निधियों के खाते में किए गए निवेश आय	**18,112,587**	**1,141,996**	-	-	19,254,583	19,786,660
iii. अन्य वृद्धि (प्रकृति निर्दिष्ट करें)					-	-
कुल (क + ख)	**6,678,071,413**	**304,624,917**	**698,469,899**	**-31,367,068**	7,649,799,161	8,121,741,463
ग) उपयोग/व्यय के उद्देश्य से व्यय						
i. आवत सम्पत्ति में पूंजी व्यय						
– आवत सम्पत्ति	612,177,767	28,990,732	-		641,168,499	739,961,697
– अन्य	-		-		-	435,158,605
ii. राजस्व व्यय					-	
– वेतन, मजदूरी एवं भत्ता आदि और अन्य गैर-पूंजी व्यय		-		-	-	466,552,959
– किराया					-	-
– अन्य प्रशासनिक व्यय कुल	**32,427,534**	**1,141,996**	**698,469,742**	**-31,367,068**	700,672,206	4,358,386
कुल (ग)	**644,605,301**	30,132,730	698,469,742	-31,367,068	1,341,840,705	1,646,031,647
वर्ष के अंत में कुल अधिशेष कुल (क	6,033,466,112	274,492,187	157	-	6,307,958,456	6,475,709,811

अनुसूची 4. सुरक्षित ऋण एवं उधार राशि	31 मार्च, 2022 तक		31 मार्च, 2021 तक	
1. केन्द्र सरकार		-		-
2. राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)		-		-
3. वित्तिय संस्थान				
क) सावधि ऋण	-		-	
ख) जमा ब्याज और देय	-	-	-	-
4. बैंक				
क) सावधि ऋण	-			
– जमा ब्याज और देय	-		-	
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)	-			
– जमा ब्याज और देय	-	-	-	-
5. अन्य संस्थान एवं अजेंसियाँ		-		-
6. ऋण पत्र एवं अनुबंध		-		-
7. अन्य(निर्दिष्ट करें)		-		-
कुल		-		-

अनुसूची 5–असुरक्षित ऋण एवं उधार ऋण	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
1. केन्द्र सरकार	-	-
2. राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)	-	-
3. वित्तीय संस्थान	-	-
4. बैंक	-	-
क) सावधि ऋण	-	-
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)	-	-
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियाँ	-	-
6. ऋण पत्र एवं अनुबंध	-	-
7. मियादी जमा	-	-
8. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	-	-

अनुसूची 6–स्थगित ऋण देनदारी	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
क) पूंजीगत उपकरणों और अन्य परि सम्पत्तियों के ह्रास द्वारा सुरक्षित स्वीकृतियाँ	-	-
ख) अन्य	-	-
कुल	-	-

अनुसूची 7– वर्तमान देनदारी एवं प्रावधान क) वर्तमान देनदारी	31 मार्च, 2022 तक		31 मार्च, 2021 तक	
1. स्वीकृतियाँ	-			-
2. विविध लेनदार				
क) सामग्री हेतु	18,986		614,233	
ख) अन्य	67,853,108		13,819,097	
ग) शाखा	-	67,872,094	-	14,433,330
3. अग्रिम प्राप्ति				
क) अग्रिम प्रशिक्षण शुल्क	96,789,020		92,749,294	
ख) देनदारों की तरफ से अग्रिम	3,100,990	99,890,010	2,979,884	95,729,178
क) सुरक्षित ऋण/उधार	-		-	
ख) असुरक्षित ऋण/उधार	-	-	-	-
5. सांविधिक देयताएं				
क) अतिदेय	-		-	
ख) अन्य	8,397,102	8,397,102	22,739,225	22,739,225
6. अन्य वर्तमान देयताएं				
क) सुरक्षा जमा (छात्र)	48,774,281		60,549,304	
ख) सुरक्षा जमा (ई एम डी)	23,185,981		20,802,067	
ग) एचआरडी अभियान वृत्ति	-		-	
घ) बीमा दावा/छात्र वृत्ति	549,401		789,850	
ड) छात्रों के लिए भंडार	38,389,712		34,923,188	
च) सेडलेरी तकनीक एंड एक्सपोर्ट अंतरराष्ट्रीय संस्थान	5,519,742		5,489,242	
छ) अन्य	62,199,159	178,618,276	1,799,528	124,353,179
कुल (क)		**354,777,482**		**257,254,911**
ख) प्रावधान				
1. कराधान हेतु		-		-
2. ग्रेच्यूटी		84,446,210		91,914,345
3. सेवानिवृत्ति/पेंशन		-		-
4. संचित अवकाश नगदीकरण		65,589,671		68,924,892
5. व्यापार वारंटी/दावे		-		-
6. अन्य–खर्च के लिए प्रावधान		14,823,785		17,863,371
कुल (ख)		**164,859,666**		**178,702,608**
कुल (क+ख)		**519,637,148**		**435,957,520**

फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट
वित्तीय वर्ष 2020-21

अनुसूची 8क-कुलसंपत्तियाँ (स्वयं के धन से)

विवरण	सकल संपत्तियां				विमूल्यन				कुल संपत्तियाँ	
क. अचल संपत्तियां :	01.04.2021 तक लागत/मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जोड़े गए	वर्ष के दौरान कटौती पर	31.03.2022 तक लागत/मूल्य	01.04.2021 तक	वर्ष के दौरान	वर्ष के दौरान कटौती पर	31.03.2022 तक	31.03.2022 तक	31.03.2021 तक
1. भूमि :										
क) पूर्ण स्वामित्व	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ख) पट्टा-धृति	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2. भवन :	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
क) पुनस्वामित्व भूमि	91,644,479	4,509,551	-	96,154,030	77,175,868	1,862,237	-	79,038,105	17,115,925	14,468,611
ख) पट्टा-धृति भूमि	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ग) स्वामित्व फ्लैट्स/परिसर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घ) भूमि के भवन संस्था से संबंधित नहीं है	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3. प्लांट मशीनरी और उपकरण	141,348,568	11,670,115	8,215	153,010,468	118,824,529	4,582,014	-	123,406,543	29,603,925	22,524,039
4. वाहन	253,712	-	-	253,712	73,420	27,044	-	100,464	153,248	180,292
5. फर्नीचर, जुड़नार	30,153,610	3,542,964	-	33,696,574	19,683,097	1,439,292	-	21,122,389	12,574,185	10,470,513
6. कार्यालय उपकरण	724,789	58,184	-	782,973	309,389	64,389	-	373,778	409,195	415,400
7. कम्प्यूटर/कम्प्यूटर से जुड़ा	7,086,372	4,217,201	-	11,303,573	5,843,335	2,021,857	-	7,865,191	3,438,382	1,243,037
8. इलेक्ट्रोनिक और उपकरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9. पुस्तकालय के पुस्तकें	1,695,886	2,821	-	1,698,707	1,013,425	230,913	-	1,244,338	454,369	682,461
10. ट्यूबवेल और वाटर सप्लाई	210,308	-	-	210,308	20,505	9,490	-	29,995	180,313	189,803
11. अन्य अचल संपत्तियां	-	78,000	-	78,000	-	11,700	-	11,700	66,300	-
अमूर्त संपत्तियां	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
सॉफ्टवेयर	933,427	35,000	-	968,427	497,304	119,458	-	616,762	351,665	436,123
वर्तमान वर्ष का कुल	274,051,151	24,113,836	8,215	298,156,772	223,440,872	10,368,393	-	233,809,265	64,347,532	50,610,303
पिछला वर्ष	271,380,104	2,805,515	-134,468	274,051,151	215,179,071	8,261,802	-	223,440,861	50,610,304	56,201,035
ख. प्रगति में पूंजी कार्य	39,480	-	-	39,480	-	-	-	-	39,480	39,480
कुल									64,387,012	50,649,783

फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट
वित्तीय वर्ष 2020-21

नोट 8 बी– अचल सम्पत्ति (सरकारी अनुदान द्वारा)

क्र.स.	अचल सम्पत्ति	मूल्य (%)	सकल सम्पत्ति					विमूल्यन				कुल सम्पत्ति	
			01.04.2021 तक लागत/मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जोड़े गए		वर्ष के दौरान विलोप	31.03.2022 तक लागत/मूल्य	01.04.2021 तक	वर्ष के दौरान	वर्ष के दौरान विलोप	31.03.2021 तक	31.03.2022 तक	31.03.2020 तक
				180 दिन से कम	180 दिन से ज्यादा								
1	भूमि												
	क) पूर्ण स्वामित्व												
2	भवन		47,747,272	-	-	-	47,747,271	-	-	-	-	47,747,272	47,747,272
	क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर	10											
	ख) कुएं और ट्यूबवेल	10	8,365,840,270	-	-	-	8,365,840,270	4,362,280,046	400,356,022	-	4,762,636,069	3,603,204,201	4,003,560,224
3	फर्नीचर और फिटिंग		32,344,961	-	-	-	32,344,961	18,672,687	1,367,227	-	20,039,914	12,305,047	13,672,273
	क) फर्नीचर एंड फिटिंग	10	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	ख) इलेक्ट्रिक फिटिंग	10	494,184,162	-	-	-	494,184,162	267,453,665	22,673,073	-	290,126,737	204,057,431	226,730,497
4	मशीनरी और प्लांट		458,384,784	-	-	-	458,384,784	241,192,673	21,719,211	-	262,911,885	195,472,899	217,192,111
	क) प्लांट और मशीनरी	15	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	ख) प्लांट और मशीनरी	40	3,018,995,653	64,063,486	-	-	3,083,059,139	2,040,045,321	151,647,312	-	2,191,692,633	891,366,506	978,950,332
	ग) कम्प्यूटर	40	559,603,706	-	-	-	559,603,706	458,664,087	40,375,848	-	499,039,935	60,563,771	100,939,619
	घ) वाहन	15	104,100,212	-	-	-	104,100,212	100,891,872	1,283,324	-	102,175,201	1,924,986	3,208,340
	ङ) पुस्तकें	40	34,801,975	-	-	-	34,801,975	24,366,788	1,565,278	-	25,932,066	8,869,909	10,435,187
5	अपूर्त सम्पत्ति		82,799,254	-	-	-	82,799,254	82,538,612	104,257	-	82,642,869	156,385	260,642
	सापट वेयर	25	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
			9,081,045	-	-	-	9,081,045	8,773,304	76,947	-	8,850,251	230,818	307,741
	कुल		13,207,883,295	64,063,486	-	-	13,271,946,780	7,604,879,059	641,168,499	-	8,246,047,560	5,025,899,224	5,603,084,239
ख. पूंजीगत कार्य प्रगति पर			238,710,640	167,445,913	62,473,874		468,630,427					468,630,427	238,710,640
	कुल		13,446,593,935	231,509,399	62,473,874	-	13,740,577,207	7,604,879,059	641,168,499	-	8,246,047,560	5,494,529,651	5,841,714,875

ok

अनुसूची 9– निर्धारित/बंदोवस्ती से निवेश	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ	-	-
3. शेयर	-	-
4. ऋण पत्र और बांड	-	-
5. सहायक और संयुक्त उद्यम	-	-
6. अन्य (निर्दिष्ट किए जाने हेतु)	-	-
कुल	-	-

अनुसूची 10– निवेशक अन्य	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
1. सरकारी प्रति भूतियों में	-	-
2. अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियाँ	-	-
3. शेयर	-	-
4. ऋण पत्र एवं बांड	-	-
5. सहायक एवं सयुक्त उद्यम	-	-
6. अन्य ग्रेच्युटी	-	-
1) ग्रेच्युटी भंडार	72,873,514	70,629,263
2) अन्य निवेश निधि	401,707,647	398,600,000
कुल	**474,581,161**	**469,229,263**

अनुसूची 11– वर्तमान परिसम्पत्ति, ऋण एवं अग्रिम	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
क) वर्तमान परिसम्पत्ति		
1. वस्तु सूची		
क) स्टोर्स एवं पुर्जे	9,700,840	9,252,987
ख) ढीले उपकरण	-	-
ग) स्टॉक-इन-ट्रेड	-	195,842
कार्य प्रगति के दौरान कच्चे सामाग्री का तैयार माल	-	-
2.विविध देनदारी		-
क) छः महीने से अधिक अवधि के लिए बकाया ऋण	21,086,491	18,014,142
ख) अन्य	23,562,573	24,119,070
ग) ब्रांच	-	-
3. हाथ में नकद शेष (चेक/ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सस्ति)	93,527	157,727
4. बैंक में अधिशेष		-
क) अनुसूचित बैंकों में		-
– चालू खातों में	39,263,217	55,027,534
–जमा खातों में (मार्जिन मनी के साथ) बचत खातों में	1,043,493,727	785,184,770
ख) गैर-अनुसूचित बैंक के साथ : चालू खातों में जमा खातों में-बचत खातों में	19,100,000	100,000
5. डाकघर – बचत खाता	-	-
कुल (क)	**1,156,300,375**	**892,052,073**
1. ऋण		
क) कर्मचारी	567,265	632,851
ख) संस्था के समान गतिविधियों/उद्देश्यों में संलग्न अन्य संस्थाएं	-	-
ग) अन्य (निर्दिष्ट)	-	-
2. नगद या वस्तु के रूप में या प्राप्त मूल्य के लिए वसूली योग्य अग्रिम तथा अन्य राशियां		-
क) पूंजी खाते पर	-	-
ख) पूर्व भुगतान	4,217,172	3,435,800
ग) अन्य (टीडीएस प्राप्य)	9,823,473	38,235,658
घ) अन्य प्राप्य		-
3. अर्जित आय		-
क) निधारित/बंदोबस्ती निधि से निवेश पर	-	-
ख) निवेश पर–अन्य	697,393	28,822,097
ग) ऋण तथा अग्रिम पर	-	-
घ) अन्य	20,445,748	-
(अप्राप्त देय आय शामिल-रुपये)	-	-
4. प्रापय दावे	-	-2,645
5. अन्य-परसम्पत्तियाँ		-
क) लेनदारों को अग्रिम	8,079,530	8,787,896
ख) सुरक्षा जमा	48,641,004	9,803,738
ग) मोब, अग्रिम	2,854,967	2,854,967
घ) भीतरी कर	320,561	316,878
ङ) स्टाफ अग्रदाय	993,124	307,554
च) परियोजना से प्राप्य (एचआरडी अभियान)	-	52,711
छ) छात्र शुल्क प्राप्य	58,601,547	46,430,259
ज) सरकारी प्राधिकरण को अग्रिम	15,695,530	9,974,061
कुल (बी)	**170,937,314**	**149,651,825**
कुल (क + ख)	**1,327,237,690**	**1,041,703,898**

फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट
31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए आय तथा व्यय का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

(रुपये में रकम)

अनुसूची 12– बिक्री/सेवाओं से आय	31.03.2022	31.03.2021
1. बिक्री से आय		
क) तैयार माल की बिक्री	3,146	1,287
ख) रॉ मैटेरियल की बिक्री	-	-
ग) रद्दी की बिक्री	-	2,500
2. सेवाओं से आय		
क) श्रम और प्रसंस्करण शुल्क	3,089,710	11,089,984
ख) पेशेवर/परामर्श सेवाएं	-	-
ग) एजेंसी आयोग और दस्तूरी	-	-
घ) रखरखाव प्रेषक (उपकरण/सम्पत्ति)	404,158	404,108
ङ) अन्य (लैब सेवाएं)	46,509,899	50,294,406
कुल	**50,006,913**	**61,792,285**

अनुसूची 13– वृत्ति/अनुवृत्ति	31.03.2022	31.03.2021
(अपरिवर्तनीय वृत्ति और अनुवृत्ति प्राप्ति)		
1. केन्द्र सरकार	641,168,499	739,961,697
2. राज्य सरकारें	-	-
3. सरकारी एजेंसियाँ	270,000	-
4. संस्थान/कल्याण निकाय	-	-
5. अन्तराष्ट्रीय संगठन	-	-
6. अन्य (निद्रिष्ट करें)	-	-
कुल	**641,438,499**	**739,961,697**

अनुसूची 14–शुल्क/अंशदान	31.03.2022	31.03.2021
1. प्रवेश शुल्क	-	-
2. वार्षिक शुल्क	60,000	78,341
3. संगोष्ठी/कार्यक्रम शुल्क	-	-
4. परामर्श शुल्क	-	-
5. अन्य (छात्र शुल्क)	472,233,181	434,977,537
कुल	**472,293,181**	**435,055,878**

अनुसूची 15–निवेश से प्राप्त आय	निर्धारित निधि से निवेश		निवेश-अन्य		कुल	
(आय पर निवेश, निर्धारित/बंदोबस्ती निधि से स्थानांतरित)	31.03.2022	31.03.2021	31.03.2022	31.03.2021	31.03.2022	31.03.2021
1. ब्याजकुल						
क) सरकार पर प्रतिभूति	-	-	-	-	-	-
ख) अन्य बांड/ऋण पत्र	-	-	-	-	-	-
2. लाभांश						
क) शेयरों पर	-	-	-	-	-	-
ख) म्यूचुअल फंड सिक्योरिटीज पर	-	-	-	-	-	-
3. किराए	1,269,600	1,269,600	88,500	84,000	1,358,100	1,353,600
4. अन्य (ग्रेच्यूटी फंड पर निवेश)	5,116,868	4,668,530	-	-	5,116,868	4,668,530
कुल	**6,386,468**	**5,938,130**	**88,500**	**84,000**	**6,474,968**	**6,022,130**
निर्धारित/बंदोबस्ती निधि में स्थानांतरित किया गया						

अनुसूची 16– रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आप	31.03.2022	31.03.2021
1. रॉयल्टी से आय	48,000	-
2. प्रकाशन से आय	-	-
3. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	**48,000**	**-**

अनुसूची 17–अर्जित ब्याज	31.03.2022	31.03.2021
1. सावधि जमा पर		
क) अनुसूचित बैंकों पर	27,961,162	26,196,835
ख) गैर-अनुसूचित बैंक	-	-
ग) संस्थानों के साथ	60,105	751,705
घ) अन्य	994,109	1,025,000
2. बचत खातों पर		
क) अनुसूचित बैंकों के साथ	7,305,478	7,344,157
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के साथ	-	-
ग) डाक पर बचत खातें	-	-
घ) अन्य	-	-
3. ऋण पर		
क) कर्मचारी/स्टॉफ	-	-
ख) अन्य	13,463	14,692
4. देनदारों पर ब्याज और अन्य प्राप्तियां	59,035	684,123
कुल	**36,393,352**	**36,016,512**

अनुसूची 18–अन्य आय	31.03.2022	31.03.2021
1. परिसम्पत्तियों की बिक्री/निपटान पर लाभ		
क) स्वामित्व वाली सम्पत्ति	-	-
ख) अनुदानों से प्राप्त सम्पति या मुक्त में प्राप्त	-	-
2. निर्यात प्रोत्साहन से साधित	-	-
3. विविध सेवाओं के लिए शुल्क (कैड)	3,192,709	3,326,388
4. विविध आय	8,228,502	7,323,340
कुल	**11,421,211**	**10,649,728**

अनुसूचित 19–कार्य प्रगति पर तथा तैयार माल पर स्टॉक में वृद्धि/कमी	31.03.2022	31.03.2021
स्टॉक बन्द		
– तैयार माल	-	-
– कार्य प्रगति पर	-	-
– उपभोग्य	9,700,840	9,252,988
कम : स्टॉक खुला		
– तैयार माल	-	-195,842
– कार्य प्रगति पर	-	-
– उपभोग्य	9,252,987	9,552,178
कुल वृद्धि/कम) एफएबी	**447,853**	**-103,348**

अनुसूची 20–स्थापना व्यय	31.03.2022	31.03.2021
क) वेतन और मजदूरी	204,079,767	198,944,432
ख) भत्ते और बोनस	2,320,619	1,884,427
ग) प्रोविडेंट फंड का अंशदान	16,641,526	17,061,703
घ) अन्य फंड का अंशदान (ई एस आई)	385,546	440,074
ङ) कर्मचारी कल्याण व्यय	6,756,706	6,930,121
च) कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति और सर्वाधिक लाभ	658,053	13,760,247
छ) अन्य (निर्दिष्टि करें)	327,509	-
1. कर्मचारी बीमा	3,076,429	4,480,887
2. अर्जित छुट्टी	3,616,335	609,101
कुल	**237,862,490**	**244,110,992**

अनुसूची 21–अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	31.03.2022	31.03.2021
क) खरीददारी	-	-
ख) श्रम और प्रसंस्करण व्यय	4,288,453	2,891,755
ग) ढुलाई और गाड़ी के लिए	561,848	476,878
घ) बिजली और पावर	41,006,119	39,878,484
ङ) पानी शुल्क	1,401,718	1,059,591
च) बीमा	1,186,324	1,255,039
छ) मरम्मत और रखरखाव	98,908,546	14,099,936
ज) आबकारी विधिवत	-	-
झ) किराया, दरें और कर	2,756,896	1,585,844
ञ) वाहन चलाना और अनुरक्षण	3,505,792	1,898,476
ट) डाक, टेलीफोन और संचार शुल्क	5,096,982	5,105,399
ठ) मुद्रण और स्टेशनरी	4,037,517	2,989,482
ड) यात्रा और आवागमन व्यय	3,775,235	2,322,023
ढ़) संगोष्ठी/कार्यशाला में व्यय	829,448	407,386
ण) सदस्यता व्यय	576,987	1,641,677
त) शुल्क पर व्यय	6,915,469	5,668,624
थ) लेखा परीक्षक पारिश्रमिक	1,459,505	704,400
द) अतिथ्य व्यय	392,026	192,477
ध) पेशेवर शुल्क	2,412,796	4,937,493
न) खराब और संदिग्ध ऋणों/अग्रिमों पर प्रावधान	-	-
प) अपरिवर्तनीय शेष राशि बट्टे खाते डाला हुआ	2,223,700	-
फ) पैकिंग शुल्क	-	-
ब) माल ढुलाई और अग्रेषण व्यय	-	-
भ) वितरण व्यय (इथियोपिया प्रोजेक्ट व्यय)	2,038,047	2,109,900
म) विज्ञापन और प्रचार	8,761,044	3,809,095
य) अन्य	-	
1. हाउस किपिंग व्यय	19,086,523	14,955,466
2. सुरक्षा व्यय	27,279,882	23,438,981
3. पुस्तकें तथा अवधिक	186,582	106,475
4. कार्यालय व्यय	11,461,968	7,645,320
5. उपभोग्य	2,786,578	1,532,468
6. प्रशिक्षण व्यय	10,993,454	4,611,915
7. मैस व्यय	17,331,145	2,450,507
8. इलेक्ट्रानिक वस्तुओं परखर्च	3,564	1,108
9. छात्र कल्याण खर्च	751,370	309,716
10. साफ्टवेयर खर्च	55,006	1,173,025
11 कार्यालय व्यय	-	-
11. अचल सम्पति बट्टे खाते डाला हुआ	-	-
12. बैंक चार्ज	3,849	30,087
13. टीडीएस तथा जीएसटी पर ब्याज	3,559	4,648
14.अग्नि सुरक्षा पर एनओसी चार्ज	150,336	1,081,786
15.घरेलू शिपिंग व्यय	-	47,518
17 इंटरलैब परीक्षण शुल्क	2,517,330	-
18 नकद गबन	50,000	-
18 ओटीसी व्यय	2,567,276	-
कुल	**287,362,874**	**150,422,979**

अनुसूची 22–अनुदान, सब्सिडी आदि पर व्यय	31.03.2022	31.03.2021
क) संस्थानों/संगठनों को दिया गया अनुदान	641,224,958	739,961,697
ख) वर्ष के दौरान उपयोग किए गए अनुदान (अनुदान) के खिलाफ बट्टे खाते में डाली गई अचल सम्पत्त सहित)		
ग) संस्थानों/संगठनों को दिया गया सब्सिडी	-	-
कुल	**641,224,958**	**739,961,697**
नोट :– संस्थाओं के नाम, उनकी गतिविधियों के साथ-साथ अनुदान/सब्सिडी राशि का खुलासा किया जाना है।)		

अनुसूची 23–ब्याज	31.03.2022	31.03.2021
क) स्थायी ऋण पर	-	-
ख) अन्य ऋण पर (बैंक प्रभार सहित)	-	-
ग) अन्य (निर्दिष्ट)	-	-
कुल	**-**	**-**

फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

अनुसूची –24 : महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

1. वित्तीय विवरणों को तैयार करने का आधार :

क) प्रस्तुत वित्तीय विवरणों को परम्परागत लागत परिपाटी के आधार पर तैयार किया गया है।

ख) लेखा नीतियों जो अन्यथा विशिष्ट रूप से संदर्भित नहीं है, प्राय: इस संस्थान के मान्य लेखा सिद्धांतों के अनुरूप है।

ग) आय एवं व्यय मदों को उपस्थिति आधार पर स्वीकृत किया गया है।

2. अचल सम्पत्तियाँ :

क) खरीदी गई/सृजित अचल सम्पत्तियों को अधिग्रहण की लागत घटाकर संचित मूल्यहास पर कथित है। अधिग्रहण की लागत में माल ढुलाई, शुल्क, कर और अन्य अनिवार्य खर्चे शामिल हैं।

ख) निम्नलिखित भूमियों को उनके संबंधित राज्य सरकार द्वारा लागत विहीन आवंटित किया गया है। इसे खाता बहियों में 1/– रुपये के मामूली मूल्य पर दर्शाया गया है।

- तमिलनाडु, चेन्नई में एफडीडीआई शाखा के लिए भूमि
- पश्चिम बंगाल, कोलकाता में एफडीडीआई शाखा के लिए भूमि
- हरियाणा, रोहतक में एफडीडीआई शाखा के लिए भूमि
- राजस्थान, जोधपुर में एफडीडीआई शाखा के लिए भूमि
- हैदराबाद में एफडीडीआई शाखा के लिए भूमि
- बिहार, पटना में एफडीडीआई शाखा के लिए भूमि
- पंजाब, बानूर में एफडीडीआई शाखा के लिए भूमि

3. विमूल्यन :

चालू वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान सरकार से खरीदी और बनाई गई सभी सम्पत्तियों पर विमूल्यन लगाया गया है। चालू वर्ष के दौरान सम्पत्ति पर लगाया गया कुल विमूल्यन 64,11,68,499/- रुपये था और अनुदान को उसी मूल्य के विरूद्ध समायोजित किया गया था। पिछले वर्ष के दौरान, 103,68,393/- रुपये की राशि अनजाने में विमूल्यन प्रभार करते समय पूंजीगत अनुदान के खिलाफ समायोजित की गई थी, अब उसी राशि को पूंजीगत अनुदान में वापस जोड़ दिया गया है और सम्पत्ति खाते के साथ समायोजित किया है। नीति के अनुसार, वर्ष 2021-22 के दौरान किए गए पूजीगत कार्य से संबंधित पूंजीगत व्यय पर कोई अमूल्यन प्रदान नहीं किया गया है क्योंकि उन्हें तुलन पत्र तिथि तक पूंजीकृत नहीं किया गया था।

4. निवेश :

लंबी अवधि और अल्पकालिक दोनों निकेशों का मूल्यांकन तुलन पत्र की तिथि के अनुसार लागत किया गया है।

5. वस्तु सूची :

विभाग प्रमुखों द्वारा प्रमाणित करने के अनुसार , सामग्रियों को लागत पर मूल्यांकन किया गया है।

6. राजस्व मान्यता:

अनुदान/सब्सिडी को छोड़कर सभी आय को प्रोद्भवन के आधार पर लेखा किया गया है, जिसे सरकारी अनुदान से खरीदी गई परिसम्पत्तियों पर लगाए गए अवमूलयन सहित किए गए व्यय की सीमा तक आय के हिस्से के रूप में दिखाया गया है।

7. व्यय: सभी खर्चों को संचय के आधार पर बुक किया गया था। वर्ष 2021–22 के दौरान, रुपये के अवकाश नकदीकरण के प्रावधान के कारण व्यय दर्ज किया गया। 34,50,396 अवकाश नकदीकरण के लिए कुल प्रावधान रु. 6,55,89,671 और ग्रेच्युटी का प्रावधान 31.03.2022 को 8,44,46,210 रुपये है, जिसमें से कुल राशि रु. एलआईसी ग्रुप ग्रेच्युटी स्कीम में 7,28,73,514 का निवेश किया गया है।

8. कार्य प्रगति पर पूंजीकरण :

वर्ष के दौरान 46,86,30,427/– रुपये को पूंजीगत कार्य प्रगति के रूप में दिखाया गया है। बानूर, पंजाब, जोधपुर, कोलकाता, रोहतक, चेन्नई और हैदराबाद में एफडीडीआई की शाखाओं में उत्कृष्टता केन्द्र (सीओईएस) की स्थापना के लिए खर्च किया गया।

9. व्यय पर आय की अधिकता/कमी

संगठन नीति के रूप में, एफडीडीआई ने व्यय पर आय की अधिकता रुपये 4,15,09,419/– को पूंजी/कॉर्पस फंड में स्थानांतरित कर दिया गया है ।

10. अनुदान सहायता:

वर्तमान वर्ष में एफडीडीआई को 1,15,48,34,760 रुपये के राशि की सरकारी अनुदान प्राप्त हुई और इस अनुदान से 1,92,54,585 रुपये की आय प्राप्त हुई। अनुदान का उपयोगध्समायोजन अनुदान से खरीदी गई संपत्तियों पर अपशिष्ट कर (64,11,68,499 रुपये) और अन्य पुनर्प्राप्तिशील प्रशासनिक व्यय (70,06,72,206 रुपये) के खिलाफ किया गया है। 31.3.2022 को सरकारी अनुदानों की स्थिति, जिसमें साल 2021–22 में प्राप्त हुए सीओई, एचआरडी मिशन, आईडीएलएस आदि के लिए अनुदान और उपयोग की जानी है, निम्नलिखित हैं:

01.04.2021 को अनुदान की शेष राशि	**6,47,57,09,811 रुपये**
वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान	1,15,48,34,760 रुपये
जोड़ : अप्रयुक्त अनुदान पर अर्जित व्याज तथा आय	1,92,54,585 रुपये
कुल	7,64,97,99,161 रुपये
कम : अचल सम्पतियों पर लगाया गया अवमूल्यन	64,11,68,499 रुपये
कम : आईडीएलएस के तहत उद्योग को भुगतान की गई सब्सिडी	..... रुपये
कम: अनुदान के विरुद्ध समायोजित आवर्ती व्यय	..... रुपये
कम: अन्य प्रशासनिक व्यय	70,06,72,206 रुपये
31.03.2022 को अनुदान की शेष राशि	**6,30,79,58,456** रुपये

11. i) स्टॉक तथा नगद के शेप को एचओडी द्वारा प्रमाणित के अनुसार लिया गया है जो कि 31.03.2022 को उनके द्वारा भौतिक रूप से सत्यापित है।

ii) विविध लेनदारों, देनदारों, प्राप्य, ऋण व अग्रिम तथा अन्य देयत्ताओं के शेप चाहे नामे में हो या जमा में, पुष्टिकरण और मिलान के अधीन है।

iii) संस्थान ने अपनी सभी शाखाओं तथा मुख्यालय के लिए अपनी नियमित आंवरिक लेखा परीक्षा संचालित करने के लिए चार्टर्ड एकाउंटेंटों की फर्मों को नियुक्त किया है। हमने शाखाओं की पुस्तकों को आंतरिक लेखा परीक्षा से यथा परीक्षित बनाया है।

iv) वित्तीय विवरणों को पूरा करते समय सभी वित्तीय आंकड़ों को निकटतम रुपये में बदल दिया गया है।

v) पिछले वर्ष के आंकड़ों को यथावश्यक पुनः समूहित और पुनः व्यवस्थित किया गया है ।

vi) सभी शाखाओं की अचल परिसम्पत्तियों (परियोजना से संबंधित) का रख रखाव मुख्यालय में रखा गया है।

अनुसूची: 25 आकस्मिक देयताएं :

i) आकस्मिक देयताएं: नोएडा प्राधिकरण दिनांक 18.01.2022 को एक पत्र जारी कर नोएडा परिसर के लिए जमीन के पट्टा किराया और ब्याज के रूप में 9.99 करोड़ रुपये की मांग की है। इस संबंध में यह प्रस्तुत किया जाता है कि पट्टा किराया का भुगतान आज तक का कर दिया गया है लेकिन पट्टा किराये के भुगतान में देरी पर ब्याज देय है। ब्याज माफ करने के लिए इस मामले को नोएडा से उठाया जा रहा है।

द्वारा फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस
प्रबंध निदेशक सलाहकार

(लेखा और वित्त)

स्थान : नोएडा
दिनांक : 07/07/2022

FDDI

फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार
एफडीडीआई अधिनियम 2017 के अन्तर्गत एक राष्ट्रीय महत्व का संस्थान (आईएनआई)

75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

एफडीडीआई अधिनियम 2017 के अन्तर्गत एक राष्ट्रीय महत्व का संस्थान (आईएनआई)

विशेषज्ञता क्षेत्रः

- फुटवियर डिज़ाइन एण्ड प्रोडक्शन
- लेदर गुड्स एण्ड एक्सेसरी डिज़ाइन
- रिटेल एण्ड फैशन मर्चेनडाइज़
- फैशन डिज़ाइन

अधिक जानकारी के लिएः

सम्पर्क करें
दूरभाषः 0120–4500100
WWW.FDDIINDIA.COM

एम. डेस. और बी. डेस. पाठ्यक्रम उपलब्ध